RNI NO PUNBIL/2014/59416 UTURNTIME.COM

4th Year Anniversary

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गुस्ताखी माफ

शुद्ध हमारी पॉलिसी, नहीं जरा भी खोट।
याद सिर्फ.रखते उसे, दिला सके जो वोट।
दिला सके जो वोट, उसी पर फोकस देना।
यूं तो कई शहीद, दूसरों से क्या लेना।
कह साहिल कविराय, वोट से अपनी यारी।
नहीं जरा भी फेर, पॉलिसी शुद्ध हमारी।

- डॉ. राजेन्द्र साहिल

VOL: 11 | ISSUE 71 | WEDNESDAY 25-03-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

निजी अस्पताल नहीं कर सकते अपनी फामेर्सी से मरीजों को दवाइयां खरीदने को मजबूर

अस्पतालों की लूट पर स्वास्थ्य विभाग लगाए लगाम

अशोक सहगल

लुधियाना, यूटर्न 24 मार्च। निजी असपताल मरीजों को अपनों बनाई फारमैसी से दवाइयां खरीदने को मजबूर नहीं कर सकते, अगर कोई निजी अस्पताल ऐसा करता पाया गया तो उस पर कार्रवाई हो सकती है। उक्त फैसला नैशनल कन्यूमर डिस्प्युट रिड्रेसल कमीशन के 2013 में प के 2013 में पटीशन नम्बर 2448 में सुनाया गया है।

गौर है कि निजी अस्पताल मरीजों के दोहन में कोई कसर पड़ना नहीं चाहते इसलिए उपचार के मनमाने दामों के अलावा मरीजों को अस्पताल में बनाई फार्मसी से दवाइयां खरीदने के लिए दवाब बनाया जाता है। यहां तक कि कई अस्पताल बार से मंगाई गई दवाइयों के इस्तेमाल से साफ मना कर हैं। कई जगह सुरक्षा कर्मचारी बाहनी दवा लेकर मरीज को अंदर नहीं आने देते। दवा लेकर मरीज के परिजन किसी तरह अस्पताल के सुरक्षा कमी तथा डॉक्टर उसके इस्तेमाल से मना कर देते हैं और मरीज के परिजनों को दवा अस्पताल को फामेर्सी से खरीद कर लाने की कहा जाता है, जबकि दूसरी और इस बारे में मरीज की शिकायत आने पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारों भी असमंजस में हैं कि वे ऐसे मामलों में क्या फैसला ले और मरीज भी पशोपेश में है कि यहां शिकायत करे हाकि उसको सुनवाई हो।

अस्पतालों पर होगी कार्रवाई

ऐसे मामले में उक्त नेशनल कमीशन के 2013 में पटीशन नम्बर-3448 में आए फैसले के तहत कहा गया कि आपतालों की बिजनेस सेंटर की तरह काम नहीं करना चाहिए, जी गंभीर मरीजों से पैसा कमाने की सोचे, जो पहले ही अस्पतालों से बढते बिलों से आहत हो चुका हो, अस्पतालों द्वारा मरीजों को दवाइयां खरीदने के लिए दबाव बनाना यह अनफेयर ट्रेड प्रैक्टिस की तरह है।

क्या कहते हैं स्वास्थ्य अधिकारी

अस्पताल की फामेर्सी से दवाइयां खरीदने के लिए दबाव बनाना गलत है, पर इस संबंधी गाइड लाइनें उन्हें स्पष्ट नहीं, मरीज पंजाब मेडिकल काउंसिल में शिकायत कर सकता है। इसके अलावा ऐसी शिकायत राज्य के स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्री तथा स्थानीय स्तर पर सिविल सर्जन से की जा सकती है ।

दूसरी और कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि

कोई रास्ता न मिलने पर मरीज द्वारा कानून का सहारा लिय जा एकता है। मरीज उपभोता अदालत में जा सकता है। अगर पूर्व में किसी के साथ ऐसा हुआ है तो वह दस्तावेज लेकर संबंधित जगहों पर शिकायत कर सकता है अथवा उपभोक्ता अदालत का सहारा ले सकता है।

क्या है स्टेट कंज्यूमर रिड्रेसल कमिश्नर का फैसला

स्टेट कमीशन ने यह फैसला मीनू जैन बनाम जयपुर के एक निजी अस्पताल के मामले में दिया, जिसमें श्रीमती एक गंभीर रोग गुलियन पैरी सिड्रीस से पीड़ित होकर अस्पताल में भर्ती हुई थी। शिकायत में कहा कि उसे जो महंगे इंजेक्शन फामेर्सी से काफी कम कीमत पर उपलब्ध इम मिलसिले में उससे एक लाख 56 हजार 167 रुपए अधिक लिए गए कमीशन अपने फैसले में शिकायतकर्ता को 78 हजार रुपए वापस करने को कहा। उसने निजी अस्पतालों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कोई निजी अस्पताल अपनी फामेर्सी से किसी को दवाइयां खरीदने के लिए मजबूर करता है उस पर सख्त कार्रवाई की जा सकती है।

अस्पताल नहीं मचा सकते लूट

पंजाब केमिस्ट संगठन का कहना है कि निजी अस्पताल मरीजों को जबरन दवाइयां नहीं बेच सकते। उन्होंने कहा कि कई अस्पताल अधिक मुनाफा कमाने के लिए ब्रांडेड दवाइयों की बजाय अनब्रांडेड दवाइयां बेच रहे हैं और अधिक मुनाफे के चक्कर में कम्पनी से सीधी दवाइयां खरीद रहे हैं। कई अस्पतालों ने तो अपनी दवाइयां बनवानी शुरू कर दी और उसे पर दम भी अपनी मनमर्जी के प्रिंट कर लिए ऐसी लूट को रोकने के लिए ड्रग विभाग कोई जतन नहीं कर रहा जबकि लोगों का कहना है कि अगर मरीज को दवाइयां बाजार से सस्ती मिलती है तो उसे हक है कि वह दवाइयां बाजार से खरीदे

स्वास्थ्य विभाग कराए अस्पतालों का सर्वे

लोगों का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग को चाहिए कि वह ऐसे मामलों में अपने ड्रग विभाग के जरिए अस्पतालों का सर्वे कारण और जहां ऐसी है अनियमितताएं पाई जाती है उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाए

टेक्सास में इतिहास: पहली सिख महिला न्यायाधीश बनीं मनप्रीत 'मोनिका' सिंह

नई दिल्ली/यूटर्न/24 मार्च। Manpreet "Monica" Singh ने अमेरिका की न्याय व्यवस्था में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए टेक्सास की पहली सिख महिला न्यायाधीश बनने का गौरव प्राप्त किया है। ल्ह्ङ्ख४२३ङ्खल्ल में जन्मी और पली-बढ़ी न्यायाधीश सिंह ने टेक्सास विश्वविद्यालय, ऑस्टिन से ग्रेजुएट तथा दक्षिण टेक्सास विधि महाविद्यालय से कानून की उपाधि प्राप्त की।

लगभग इक्कीस वर्षों तक एडवोकेट के रूप में सेवा देने के बाद, वर्ष दो हजार बाईस में उन्हें हैरिस काउंटी दीवानी न्यायालय में न्यायाधीश नियुक्त किया गया। यह उपलब्धि न केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता का प्रतीक है, बल्कि न्यायपालिका में विविधता और समान भागीदारी की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है।

अपने व्यावसायिक जीवन में उन्हें अनेक प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हुए हैं। उन्हें ह्यूस्टन युवा लॉयर्स एसोसिएशन द्वारा मोस्ट आउटस्टैंडिंग अटॉर्नी के रूप में सम्मानित किया गया, जबकि दक्षिण एशियाई लॉयर्स एसोसिएशन ने उन्हें विशिष्ट सदस्य सम्मान प्रदान किया। इसके अतिरिक्त उन्हें टेक्सास विविधता सम्मान तथा राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता से जुड़े पुरस्कार भी प्राप्त हुए हैं।

न्यायिक दायित्वों के अतिरिक्त, उन्होंने टेक्सास नागरिक अधिकार संगठन, टेक्सास नेतृत्व परिषद तथा सिख संगठन जैसे संस्थानों में सक्रिय भूमिका निभाई है। उन्होंने टेक्सास विश्वविद्यालय तथा टेक्सास अधिवक्ता परिषद के माध्यम से विधि विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित किए हैं। नेतृत्व क्षमता के विकास हेतु उन्होंने प्रतिष्ठित नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया है। व्यक्तिगत जीवन में वे पठन-पाठन, यात्रा और अपने परिवार, विशेषकर अपने दो पुत्रों के साथ समय बिताना पसंद करती हैं। उनकी यह उपलब्धि महिलाओं और अल्पसंख्यक समुदायों के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण है।

Uturn Time 25 Mar 2026_Layout 2 24-03-2026 22:52 Page 2

Celebrate your Birthday or Anniversary with UTURN TIME in association with

Hot Breads

0161-4603333, 5012222

2 LUCKY WINNERS WILL GET CAKE WORTH OF ₹1200 EACH

*WINNERS WILL BE DECIDED THROUGH LUCKY DRAW T&C

FOR MORE DETAILS, CALL: 99882-20063, 98142-95372
janhetaishi@gmail.com, hetaishinews@gmail.com

All rights about Distribution & Offer will be reserved by U-TURN TIME MANAGEMENT Only.

फिर आया तपेदिक दिवस परंतु नहीं आया एक साल से फंड

बिना फंड्स के कैसे पूरा होगा 100 दिवस का टीबी कैंपेन

लुधियाना, यूटर्न 24 मार्च। अशोक सहगल फंड्स के अभाव में स्वास्थ्य विभाग द्वारा वर्ल्ड टीबी दिवस के मौके पर स्वास्थ्य विभाग में 100 दिवस के लिए कैंपेन लॉन्च किया है ताकि टीबी अनुमुलन के कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए परंतु पिछले एक वर्ष थे टीबी के मरीजों को मिलने वाला 1000 महीना अभी तक उन्हें प्राप्त नहीं हुआ है ऐसे में मरीजों को उनकी डाइट के लिए पैसे देने की बजाय आश्वासन से कैसे बात बनेगी उल्लेखनीय है कि पंजाब में टीबी के रजिस्टर्ड 60000 मरीजों की सूची स्वास्थ्य विभाग के पास है इनमें 13500 मरीज अकेले लुधियाना जिले के हैं उल्लेखनीय है कि बकाया पैसे ना मिलने के कारण मैरिज सरकार के कार्यक्रमों पर ध्यान नहीं दे रहे उल्टा लोगों को भी बता रहे हैं कि उनको एक साल से पैसे नहीं मिले टीबी के मरीजों को 1000 महीना उनकी खुराक के लिए दिया जाता है जो 6 महीने तक सरकार की ओर से मरीज को प्रदान किया जाता है जबकि मल्टी ड्रग रेजिस्टेंस के मरीजों के लिए यह सुविधा 18 महीना तक दी जाती है ऐसा इसलिए किया जाता है कि टीवी के मरीज जल्दी ठीक हो सके

स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि तपेदिक के बारे में लोगों को जागरूक करने का मकसद पूरे जिले में स्क्रीनिंग, अवेयरनेस और ट्रीटमेंट सर्विसेज को और मजबूत करना है, ताकि टी बी पेशेंट्स की जल्दी पहचान और पूरा ट्रीटमेंट पक्का किया जा सके।

सिविल सर्जन डॉ. रमनदीप कौर के मुताबिक, इन एक्टिविटीज में पूरे ज़िले में बड़े पैमाने पर लोगों ने हिस्सा लिया, जहाँ हेल्थ टीमों ने अस्पताल, हेल्थ सेंटर और फील्ड लेवल पर लोगों के साथ सीधे तौर पर हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि अवेयरनेस प्रोग्राम का

मकसद टी बी के कारणों, फैलने और अलग-अलग तरह के बारे में जानकारी देना और इससे जुड़ी गलतफहमियों को दूर करना था। प्रोग्राम के दौरान, हेल्थ एक्सपर्ट्स ने इस बात पर जोर दिया कि टी बी एक फैलने वाली बीमारी है लेकिन समय पर पहचान और सही इलाज से इसे पूरी तरह ठीक किया जा सकता है। टी बी के अलग-अलग तरह जैसे पल्मोनरी टी बी और एक्सटर्नल टी बी के बारे में डिटेल में जानकारी दी गई।

इसके साथ ही, लंबे समय तक खांसी, बुखार, वजन कम होना और रात में पसीना आना जैसे लक्षणों के बारे में भी अवेयरनेस बढ़ाई गई। साफ-सफाई, सही न्यूट्रिशन और समय पर डॉक्टर की सलाह जैसे बचाव के तरीकों पर भी जोर दिया गया।

डॉ. रमनदीप कौर ने आगे बताया कि टी बी से लड़ने के लिए सरकारी स्कीमों के तहत सभी सरकारी हेल्थ इंस्टीट्यूशन में अच्छी क्वालिटी की दवाओं के साथ फ्री टेस्टिंग और पूरा इलाज उपलब्ध है। उन्होंने लोगों से इन सर्विस का पूरा फायदा उठाने और बताए गए इलाज को फॉलो करके पूरी तरह ठीक

सैंक्शन आ गई शीघ्र मरीज को मिलेंगे फंड्स

जिला टीबी अफसर डॉक्टर आशीष चावला ने बताया कि मरीज को डाइट के लिए मिलने वाले 1000 के लिए सरकार द्वारा मंजूरी आ गई है शीघ्र ही बकाया पैसों को मरीजों के खातों में ट्रांसफर कर दिया जाएगा।

होने की अपील की, ताकि बीमारी को फैलने से रोका जा सके। कम्युनिटी की भागीदारी के महत्व पर जोर देते हुए, उन्होंने लोगों से अपील की कि वे बिना किसी झिझक के स्क्रीनिंग के लिए आगे आएं और अपने इलाकों में जागरूकता फैलाएं। उन्होंने कहा कि टी बी से जुड़ी झिझक और देर से पहचान अभी भी बड़ी चुनौतियां हैं, जिन्हें मिलकर जागरूकता फैलाने और सेहत के प्रति ज़िम्मेदार रवैये से दूर किया जा सकता है। वर्ल्ड टी बी डे का बड़ा जश्न और 100 दिन के टी बी कैंपेन की शुरूआत, टी बी-फ्री इंडिया के राष्ट्रीय लक्ष्य के प्रति लुधियाना के पक्के इरादे को दिखाता है।

भीषण गर्मी और ऊर्जा संकट के बीच बढ़ी बिजली मांग, पंजाब में भी सतर्कता बढ़ी

लुधियाना/यूटर्न/24 मार्च। देशभर में बढ़ते तापमान और वैश्विक ऊर्जा संकट के चलते इस वर्ष बिजली की मांग रिकॉर्ड स्तर तक

पहुंचने की आशंका है। विशेषज्ञों के अनुसार, देश की अधिकतम बिजली मांग दो लाख चालीस हजार मेगावाट से अधिक जा सकती है, जो पिछले वर्ष के उच्च स्तर से भी ज्यादा है। पंजाब में भी इसका असर साफ दिखाई देने लगा है। राज्य में गेहूं की कटाई का सीजन शुरू होने के साथ-साथ कृषि कार्यों में बिजली की खपत तेजी से बढ़ रही है। इसके अलावा भीषण गर्मी के कारण घरेलू उपयोग—जैसे कूलर, पंखे और एयर कंडीशनर—की मांग में भी भारी इजाफा हुआ है। स्थिति को देखते हुए केंद्र सरकार ने सभी कोयला आधारित बिजली संयंत्रों को पूरी क्षमता पर चलाने के निर्देश दिए हैं। देश के कुल बिजली उत्पादन में कोयले की हिस्सेदारी लगभग सत्तर प्रतिशत है, जिससे इसकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। पंजाब सरकार और बिजली विभाग ने भी आपूर्ति बनाए रखने के लिए विशेष तैयारियां शुरू कर दी हैं। कोयले की उपलब्धता, बिजली खरीद समझौते और ट्रांसमिशन सिस्टम को मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है, ताकि किसानों और आम उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली मिल सके। ऊर्जा विशेषज्ञों का मानना है कि यदि मांग इसी तरह बढ़ती रही, तो पीक समय में दबाव बढ़ सकता है। हालांकि समय रहते उठाए गए कदम संभावित बिजली संकट को टालने में मददगार साबित हो सकते हैं।

हमें पीएम मोदी पर विश्वास है, भारत में कोई मुश्किल पैदा नहीं होगी : चिराग पासवान

नई दिल्ली, यूटर्न, 24 मार्च। मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध का असर भारतीय राजनीति में भी देखने को मिल रहा है। जहां पीएम मोदी ने सदन में अपना संबोधन देकर देशवासियों को बताया कि भारत की इस स्थिति से निपटने के लिए क्या तैयारियां हैं, वहीं, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने ऐसे समय में भी विदेश नीति को लेकर सरकार पर तंज कसा। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने पलटवार करते हुए कहा कि विपक्ष को अभी एकता दिखानी चाहिए, राजनीति करने के लिए यह वक्त ठीक नहीं है। मुझे विश्वास है कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत में किसी भी तरह की कोई मुश्किल नहीं आएगी। नई दिल्ली में मीडिया से बातचीत के दौरान केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि पीएम मोदी ने बहुत साफ तौर पर कहा है कि दुनिया की मौजूदा स्थिति को देखते हुए, कम से कम इस मुद्दे पर तो एकता दिखाना जरूरी है।

जीरकपुर में ट्रेडर्स कमीशन की बैठक, व्यापारियों की समस्याओं का मौके पर समाधान

जीरकपुर/यूटर्न/24 मार्च। पंजाब स्टेट ट्रेडर्स कमीशन के निदेर्शों पर विधानसभा हल्का डेराबस्सी के पटियाला रोड, जीरकपुर में व्यापारियों की समस्याओं के समाधान हेतु एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एसडीएम डेराबस्सी अमित गुप्ता और जिला ट्रेडर्स कमीशन मोहाली के वाइस चेयरमैन तरलोचन सिंह बैदवान ने की।

बैठक मे कार्यकारी अधिकारी जीरकपुर परमिंदर सिंह भट्टी, ईटीओ जीएसटी समीर कुमार, जीएसटी अधिकारी ममता, गुरजोत सिंह, लेबर इंस्पेक्टर राम सिंह राणा, नगर निगम इंस्पेक्टर मनोज कुमार, पीआरटीसी डायरेक्टर गुरप्रीत सिंह विरक,

लेबर इंस्पेक्टर अशोक कुमार, फूड सप्लाई इंस्पेक्टर रजनी गुप्ता सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा एक्स-सर्विसमैन जिला प्रधान कर्नल अमरीक सिंह भुल्लर, एससी विंग के प्रधान मनदीप सिंह मटौर और दर्शन सिंह मटौर सहित बड़ी संख्या में स्थानीय व्यापारी भी शामिल हुए। बैठक के दौरान व्यापारियों ने अपनी विभिन्न समस्याएं और सुझाव प्रशासन के सामने रखे। अधिकारियों ने इन मुद्दों को गंभीरता से सुनते हुए कई समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया, जबकि शेष मामलों को निर्धारित समय सीमा में हल करने का आश्वासन दिया गया।

इस अवसर पर व्यापारियों ने पंजाब सरकार द्वारा ट्रेडर्स कमीशन के गठन के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि इससे व्यापारियों को अपनी समस्याएं रखने और उनके समाधान के लिए एक प्रभावी मंच मिला है। साथ ही सरकार की व्यापारी हितैषी नीतियों की सराहना करते हुए भविष्य में भी सहयोग का भरोसा जताया।

Uturn Time 25 Mar 2026_Layout 2 24-03-2026 22:52 Page 3

यूटर्न टाइम
The Good, Bad and Ugly of India

पेज 06 ऐसी धार्मिक कथाएं लोगों को धर्म व भक्ति के मार्ग पर...

कारपोरेशन बजट 2026-27 विवादों के बीच पास, विपक्ष ने लगाए गंभीर आरोप, बोले

एजेंडा - व्हाट्सएप पर, हाउस मीटिंग - बिना चर्चा पांच मिनट में बजट पास, ऑब्जेक्शन - अफसर व नेतागन उठकर चले गए

लुधियाना/यूटर्न/24 मार्च। मंगलवार को लुधियाना कारपोरेशन का बजट पेश करके पास करने के लिए गुरु नानक भवन में हाउस की मीटिंग रखी गई। इस दौरान जमकर हंगामा हुआ। वहीं मीटिंग की शुरूआत के कुछ समय बाद ही 1258 करोड़ का बजट पास करते हुए मीटिंग समाप्त कर दी गई। मीटिंग में निगम कमिश्नर नीरू कत्याल, मेयर प्रिंसिपल इंद्रजीत कौर, विधायक मदन लाल बग्गा, अशोक पराशर पप्पी व कई पार्षद मौजूद थे। इस दौरान विपक्षी पार्षदों और उनके पतियों द्वारा गुरु नानक भवन के बाहर बजट का विरोध करते हुए जमकर हंगामा किया गया। इस दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि पहले तो मेयर द्वारा सभी को व्हाट्सएप पर एजेंडा भेज दिया गया। जिसके बाद विचार विमर्श के लिए हाउस की मीटिंग रखी तो उसमें आपत्तियां जताने पर बिना चर्चा किए पांच मिनट में अपने सत्र पर ही बजट पास कर डाला। जब उन्होंने ऑब्जेक्शन जताई तो मेयर व कमिश्नर समेत बाकी सभी आप लीडर वहां से उठकर बिना बात सुने चले गए।

हाउस मीटिंग के बाद प्रदर्शन करते विपक्षी लीडर

हाउस मीटिंग के दौरान मौजूद हाउस लीडर्स

मेयर ने टेबल एजेंडे भी पास कर डाले...कांग्रेस लीडर सनी भल्ला ने कहा कि हाउस लीडरों ने पार्षदों को व्हाट्सएप पर एजेंडा भेजा और यहां बुलाकर पांच मिनट में खुद ही पास कर दिया। इससे अच्छा हमें न बुलाकर घर बैठे पास कर देते। आप के खुद के पार्षद आए नहीं थे और बजट पास कर दिया। नोटिस में साफ लिखा था कि टेबल एजेंडे पास नहीं होंगे। मगर मेयर ने वह भी पास कर दिए। यह ठगियों के सौदें है। आप लीडरों को पता है यह आखिरी साल है, इस लिए जितना लूट होता है लूट लो।

यह हाउस मीटिंग नहीं धक्केशाही थी...कांग्रेस लीडर पंकज शर्मा काका ने कहा कि यह मीटिंग नहीं सरेआम धक्का था। चोरों की तरह हाउस लीडर भाग गए। शहर में बिल्डिंग ब्रांच का टीचा 13 करोड़ रह गया, आखिर कौन अफसर व लीडर अवैध इमारतों का पैसा खा रहे हैं। ट्यूबवेल मेनटेन्स और ऑपरेशन के लिए 85 करोड़ का प्रपोजल बनाया है। जो काम अभी 15 करोड़ में हो रहा है। सड़कों की हालात खस्ता है। लोकल बॉडी मंत्री शहर के हैं और फिर भी घोटाले हो रहे हैं।

बिना कोरम पूरा किए बजट पास किया

पार्षद पति इंद्रजीत इंदी ने कहा कि पहले तो हाउस का कोरम ही पूरा नहीं था। बिना चर्चा एजेंडा पास करके मीटिंग खत्म कर दी। होर्टिकल्चर का बजट पिछले साल 54 लाख था। खर्च 42 लाख किया। इस बार बजट बढ़ाकर एक करोड़ रख दिया। एक्साइज रेवेन्यू कम हो रहा है। शहर का हर टेंडर सिरे न चढ़ने पर हाईकोर्ट चल रहा है। मेयर व विधायकों ने अपने पार्षदों से भी बात तक नहीं की।

यह डेवलपमेंट का बजट है

विधायक चौधरी मदन लाल बग्गा ने कहा कि मीटिंग के दौरान पहले सभी को बजट पढ़कर सुनाया गया था। सहमति से बजट पास किया जा रहा था, लेकिन कुछ लोगों ने जानबूझकर हंगामा किया। लेकिन यह शहर का बजट है। हमें चाहिए कि सहमति के साथ इसे पास करके शहर की डेवलपमेंट के लिए काम करना चाहिए। हम लोगों के नुमाइंदें है और शहर को हमसे काफी उम्मीदें है।

एक दिन पहले विपक्ष ने सहमति जताई, आज शोर मचा रहे

विपक्ष मीटिंग में पहले ही प्लानिंग करके शोर मचाने आता है। इनके पास बातचीत के लिए कोई बात नहीं होती, बस ड्रामेबाजी ज्यादा आती है। हमारी तरफ से 72 घंटे पहले ही सभी पार्षदों को एजेंडा दे दिया गया था। सोमवार को ऑल पार्टी मीटिंग हुई थी। बल्कि हमने इस बार बजट में इनकम बढ़ाई गई है। जिस पर विपक्ष की आपत्ति थी कि कैसे इनकम बढ़ेगी। फिर उन्हें इसे बताया गया। तब विपक्ष न आपत्ति नहीं जताई और आज दिखावे के लिए शोर मचाने लग गए। लुधियाना का 1258 करोड़ का बजट पास हुआ है। जिसमें डेवलपमेंट कार्य, इन्फ्रास्ट्रक्चर, वाटर सप्लाई समेत सभी चीजों को कवर किया है।

महिला ने कुत्ते के दो बच्चों को मार डाला, पुलिस ने किया गिरफ्तार

लुधियाना/यूटर्न/24 मार्च। ग्यासपुरा की मक्कड़ कॉलोनी में एक महिला ने गली में घूम रहे कुत्ते के दो बच्चों को डंडों से इतनी बेरहमी से पीटा कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की

सूचना मिलते ही पशु प्रेमियों में रोष फैल गया। थाना साहनेवाल की पुलिस ने रीता देवी को आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया। रीता देवी ने मानवता को ताक पर रखकर इस वारदात को अंजाम दिया। हेल्प फॉर एनिमल्स संस्था के प्रधान मनी सिंह निवासी हरनामदास फील्ड गंज को विकास शाह नामक युवक ने फोन पर सूचना दी कि एक महिला गली में पिल्लों को बुरी तरह मार रही है। जब तक पशु प्रेमी मौके पर पहुंचे, दोनों बेजुबान दम तोड़ चुके थे। मौके पर पहुँचे मनी सिंह ने जब स्थानीय लोगों से पूछताछ की तो लोगों ने बताया कि आरोपी महिला रीता देवी हाथ में डंडा लेकर निकली और छोटे पिल्लों को मारने लगी। पिल्ले दर्द से चिल्लाते रहे लेकिन उसने तब तक वार किए जब तक उनके शरीर शांत नहीं हो गए। मनी सिंह की शिकायत पर साहनेवाल पुलिस तुरंत हरकत में आई।

मनीषा कंस्ट्रक्शन्स नेशनल पूल चैंपियनशिप 2026 का लुधियाना में भव्य आगाज, पहले दिन रोमांचक मुकाबले

लुधियाना, यूटर्न, 24 मार्च। मनीषा कंस्ट्रक्शन्स नेशनल पूल चैंपियनशिप 2026 (9-बॉल एवं 10-बॉल) का मंगलवार को लुधियाना में शानदार शुरूआत के साथ आगाज हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ एक भव्य उद्घाटन समारोह के साथ हुआ, जिसने भारत में क्यू स्पोर्ट्स के गौरवशाली इतिहास और उज्ज्वल भविष्य को रेखांकित किया। इस चैंपियनशिप का आयोजन पंजाब बिलियर्ड्स एंड स्नूकर एसोसिएशन (पीबीएसए) द्वारा बिलियर्ड्स एंड स्नूकर फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएसएफआई) के तत्वावधान में किया जा रहा है। प्रतियोगिता के मैच दोपहर 12:30 बजे शुरू हुए, जबकि दूसरा राउंड 2:00 बजे आयोजित किया गया, जिसमें देशभर के खिलाड़ियों ने भाग लिया।

पहले दिन के मुकाबलों में दिखा कड़ा प्रतिस्पर्धा...पहले दिन कई रोमांचक और करीबी मुकाबले देखने को मिले। प्रमुख परिणाम इस प्रकार रहे :
अरुण छाबड़ा (पंजाब) ने जयंत कुमार (दिल्ली) को 6-4 से हराया
अंकुर खुल्लर (पंजाब) ने कड़े मुकाबले में 6-5 से जीत दर्ज की
शौकिन (दिल्ली/हरियाणा) ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए नितिन गुप्ता (पंजाब) को 6-2 से पराजित किया विनय चावला (पंजाब) ने रजत कौर (पंजाब) को 6-4 से हराया इन परिणामों से प्रतियोगिता की गहराई और प्रतिस्पर्धा का स्तर स्पष्ट दिखाई दिया, जिसमें अनुभवी खिलाड़ियों के साथ-साथ उभरते हुए प्रतिभागियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

2027 में पंजाब में भाजपा सरकार बनने पर वाल्मीकि समाज को सरकार में मिलेगें महत्वपूर्ण पद - नायब सैनी

लुधियाना/यूटर्न/24 मार्च। वाल्मीकि समुदाय के उथान व पंजाब में वर्तमान में वाल्मीकि समाज को आ रही समस्याओं को लेकर एक शिष्टमंडल ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से उनके आवास स्थान चंडीगढ़ में मुलाकात की। इस शिष्टमंडल में भाजपा के वरिष्ठ नेता व भावधास के राष्ट्रीय संचालक चौधरी यशपाल, भाजपा युवा नेता विक्की सहोता, पंजाब प्रदेश अध्यक्ष वी.एस.एस व महासंघ, शांति दूत भगवान वाल्मीकि लाइब्रेरी खोज केंद्र के अरुण सिद्धू आदि मौजूद रहे। शिष्टमंडल ने पंजाब व भारत सरकार के सफाई आयोग तथा एससी आयोग को स्वतंत्रत प्रभाव द्वारा और पॉवर देकर दलितों व सफाई कर्मियों के पक्ष में मजबूत करना, यूट्यूब, गूगल पर भगवान वाल्मीकि महाराज जी छवि को धूमल करने वाली सभी वीडियो और साईट को स्थायी रूप से प्रतिबंध करना, विद्यार्थियों को मिलने वाली भारत सरकार द्वारा स्कालरशिप के लिए 2:50 लाख सालाना आय से 8 लाख तक सालाना आय प्रमाणपत्र कर समेत कई मांगें रखी। सीएम सैनी ने कहा कि पंजाब में 2027में भाजपा सरकार आने पर वाल्मीकि समाज के सिपहियो को सरकार में महत्वपूर्ण पद दिए जाएंगे। वही12% आरक्षण के सुप्रीम कोर्ट के आदेश जो वाल्मीकि समाज के पक्ष में आए थे, वो क्रीमी लेयर कोर्ट के आदेश हरियाणा में लागू करने के लिए शिष्टमंडल ने सैनी को पुष्प गुलदस्ता, दोशाला व सरोपा भेंट् कर सम्मानित किया।

Uturn Time 25 Mar 2026_Layout 2 24-03-2026 22:52 Page 4

हरियाणा सरकार ने एलपीजी की कालाबाजारी करने वालों पर शिकंजा कसा: 800 से ज्यादा सिलेंडर जब्त, 8 FIR दर्ज

चंडीगढ़/यूटर्न/24 मार्च। हरियाणा सरकार कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है, जिसके तहत आठ FIR दर्ज की गई हैं और 52 लोग इसमें शामिल पाए गए हैं। कुल 820 सिलेंडर जब्त किए गए हैं। खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री राजेश नागर ने जोर देकर कहा कि सरकार कालाबाजारी और एलपीजी सिलेंडरों के गलत इस्तेमाल के प्रति 'जीरो-टॉलरेंस' (बिल्कुल बर्दाश्त न करने) की नीति अपना रही है। उन्होंने साफ किया कि राज्य में पेट्रोल, डीजल और घरेलू एलपीजी की आपूर्ति सामान्य है। नागर ने चेतावनी दी कि अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई

की जाएगी, खासकर मध्य-पूर्व में चल रहे तनाव के माहौल में। विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि जब्त किए गए 820 सिलेंडरों में से 131 झज्जर से, 109 महेंद्रगढ़ से, 86 अंबाला से, 21 भिवानी से, 2 फरीदाबाद से, 71 फतेहाबाद से, 75 गुरुग्राम से, 39 हिसार से, 17 जींद से, 10 कैथल से, 44 करनाल से, 21 कुरुक्षेत्र से, 16 नूंह से, 23 पानीपत से, 21 रेवाड़ी से, 98 रोहतक से, 12 सिरसा से, 12 सोनीपत से और 17 यमुनानगर से थे।

फरीदाबाद में सात पर्चे दर्ज...फरीदाबाद में सात और सोनीपत में एक FIR दर्ज की गई, साथ ही तीन वाहन भी जब्त किए गए। पिछले छह दिनों में, तेल विपणन कंपनियों ने 61,034 घरेलू एलपीजी सिलेंडरों (14.2 किलोग्राम) की आपूर्ति की है, और उनके पास अभी 9.82 लाख सिलेंडरों का स्टॉक मौजूद है। कमर्शियल एलपीजी के मामले में, 25 दिनों में 848 सिलेंडरों (19 किलोग्राम) की आपूर्ति की गई, और अभी 1.80 लाख सिलेंडरों का स्टॉक उपलब्ध है।

एलपीजी की आपूर्ति सुचारू रूप से चल रही...विभाग ने पुष्टि की है कि पूरे हरियाणा में पेट्रोल, डीजल और घरेलू एलपीजी की आपूर्ति सुचारू रूप से चल रही है, और प्रमुख तेल कंपनियों इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल), और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के पास पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है।

सुखी: 13 साल कोमा में रहने के बाद हरीश राणा का निधन, भारत का पहला पैसिव यूथेनेशिया मामला

चंडीगढ़/यूटर्न/24 मार्च। हरीश राणा, जो भारत में पैसिव यूथेनेशिया (इच्छामृत्यु) की अनुमति पाने वाले पहले व्यक्ति थे, का मंगलवार को ऐमस-दिल्ली में निधन हो गया। वे 13 साल से ज्यादा समय से कोमा में थे। 31 साल के हरीश, जो 2013 से कोमा में थे, को 14 मार्च को उनके गाज़ियाबाद स्थित घर से अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (ऐमस) के डॉ. बी.आर. अंबेडकर इंस्टीट्यूट रोटरी कैंसर हॉस्पिटल की पैलिएटिव केयर यूनिट में शिफ़्ट किया गया था। इससे तीन दिन पहले, सुप्रीम कोर्ट ने उनके लाइफ़ सपोर्ट को हटाने की मंजूरी दे दी थी, जो देश में पैसिव यूथेनेशिया को लागू करने का पहला मामला था। पंजाब

यूनिवर्सिटी में इंजीनियरिंग के छात्र रहे राणा को 2013 में चौथी मंज़िल की बालकनी से गिरने के कारण सिर में गंभीर चोटें आई थीं। तब से, वे पूरी तरह से चिकित्सकीय रूप से दिए जाने वाले पोषण और कभी-कभी ऑक्सीजन सपोर्ट के सहारे ही जीवित थे।

जीवन-रक्षक उपचार हटाए जाते हैं...पैसिव यूथेनेशिया में, मरीज को नियंत्रित और गरिमापूर्ण तरीके से जीवन-रक्षक उपचार हटाकर मरने की अनुमति दी जाती है।

सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि अस्पताल में भर्ती होने के बाद हरीश का पोषण सपोर्ट धीरे-धीरे हटा दिया गया था। उनके परिवार में उनके माता-पिता, अशोक और निर्मला राणा हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद हरीश के परिवार ने कहा था कि कृत्रिम लाइफ़ सपोर्ट हटाने से परिवार को कोई निजी फायदा नहीं होगा, लेकिन व्यापक जनहित में, यह फैसला ऐसी ही स्थितियों का सामना कर रहे अन्य लोगों की मदद कर सकता है।

हरीश की गरिमा को वापस दिलाएगा...उनके पिता ने कहा था कि पैसिव यूथेनेशिया वर्षों की लाइलाज पीड़ा के बाद हरीश की गरिमा को वापस दिलाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने अक्टूबर-दिल्ली को निर्देश दिया था कि यह सुनिश्चित किया जाए कि लाइफ़ सपोर्ट को एक विशेष योजना के तहत हटाया जाए, ताकि गरिमा बनी रहे। इस प्रक्रिया को लागू करने के लिए एक विशेष मेडिकल टीम का गठन किया गया था, जिसकी अगुवाई एनेस्थीसिया और पैलिएटिव मेडिसिन विभाग की प्रोफ़ेसर और प्रमुख डॉ. सीमा मिश्रा कर रही थीं। यह भारत में अपनी तरह की पहली प्रक्रिया थी।

क्या आपका अगला घरेलू एलपीजी रीफिल 14 किलो के बजाय 10 किलो का हो सकता है?

चंडीगढ़/यूटर्न/24 मार्च। एलपीजी की उपलब्धता अभी भी गंभीर बनी हुई है, ऐसे में तेल मार्केटिंग कंपनियाँ (ओएमसीज) कुकिंग गैस के ज्यादा बराबर बँटवारे के लिए कम वजन वाले सिलेंडर देने का तरीका अपना सकती हैं। हालाँकि, पेट्रोलियम मंत्रालय के अधिकारियों ने उन रिपोर्टों को खारिज कर दिया है जिनमें कहा गया था कि ओएमसीज 14.2 किलो के घरेलू एलपीजी सिलेंडरों में 10 किलो गैस बेचना शुरू कर सकती हैं; अधिकारियों ने इन दावों को ₹पूरी तरह से अटकलबाजी₹ बताया है। रिफाइनरों ने कहा कि इस मामले पर सरकार को एक प्रस्ताव सौंपा गया है। एक सरकारी डटउ के अधिकारी ने कहा, इस पर सचमुच विचार किया जा रहा है, लेकिन फैसला सरकार को ही लेना है।

अधिकारियों ने अफवाह बताया...पेट्रोलियम और गैस

मंत्रालय की संयुक्त सचिव, सुजाता शर्मा ने इसे एक अफवाह बताया। उन्होंने कहा, किसी भी अटकलबाजी पर कोई टिप्पणी या सफाई नहीं दी जा सकती... कृपया अफवाहों पर यकीन न करें। यह पूरी तरह से अटकलबाजी है। उन्होंने कहा कि घरेलू सिलेंडरों को रीफिल कराने की बुकिंग घटकर लगभग 50 लाख रह गई है, जबकि सप्लाई सामान्य रूप से जारी है।

घरेलू रिफाइनरों ने एलपीजी का उत्पादन बढ़ाया...शर्मा ने कहा कि घरेलू रिफाइनरों ने एलपीजी का उत्पादन बढ़ा दिया है, जिससे स्थानीय सप्लाई के जरिए पूरी की जाने वाली माँग का हिस्सा बढ़कर 50-60 प्रतिशत हो गया है, जबकि पहले यह लगभग 40 प्रतिशत था। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष की वजह से होर्मुज जलडमरूमध्य से होने वाला यातायात बाधित हो गया है, जिससे तेल और गैस के आयात पर असर पड़ा है। इसके चलते सरकार ने घरेलू क्षेत्रों को प्राथमिकता देना शुरू कर दिया है और कमर्शियल इस्तेमाल करने वालों को होने वाली सप्लाई में कटौती कर दी है।

भारत 60 प्रतिशत करता आयात...भारत अपनी एलपीजी की जरूरत का लगभग 60% हिस्सा आयात करता है, और हाल के सप्लाई डेटा से पता चलता है कि आने वाली खेपों में भारी गिरावट आई है। अभी ऐसी कोई रिपोर्ट नहीं है कि कोई नई खेप भारतीय बंदरगाहों की ओर आ रही हो; पिछले हफ़्ते इस जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों की संख्या भी बहुत कम थी, और उनमें मौजूद गैस की मात्रा देश की एक दिन की माँग को भी मुश्किल से ही पूरा कर पाती। भारत आने वाले कई एलपीजी जहाज भी फारसी खाड़ी में मंजूरी मिलने का इंतजार कर रहे हैं।

करनाल पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 17 लाख की चोरी का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

हरियाणा/यूटर्न/ 24 मार्च।करनाल पुलिस की सीआईए थ्री शाखा ने एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पकड़े गए आरोपी के खिलाफ करीब 60 आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें हत्या, चोरी और स्नैचिंग जैसी वारदातें शामिल हैं। आरोपी ने हाल ही में करनाल की नेताजी सुभाष मार्केट स्थित एक साड़ियों की दुकान से करीब 17 लाख रुपये की साड़ियों की चोरी की थी।डीएसपी राजीव कुमार ने प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि 2-3 मार्च की रात को हुई इस चोरी की जांच सीआईए थ्री को सौंपी गई थी। जांच के दौरान पुलिस टीम ने अर्जुन शर्मा नामक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया पूरा माल बरामद कर लिया है, हालांकि वारदात में इस्तेमाल की गई कार अभी बरामद की जानी बाकी है। फिलहाल आरोपी पुलिस रिमांड पर है और जल्द ही उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा। डीएसपी के अनुसार, आरोपी एक आदतन अपराधी है और उसके खिलाफ विभिन्न प्रकार के करीब 60 मामले दर्ज हैं, जिनमें वाहन चोरी, अन्य चोरी, एक हत्या और स्नैचिंग के मामले शामिल हैं। बताया गया कि आरोपी ने कम उम्र में ही अपराध की दुनिया में कदम रख दिया था और अब 52 वर्ष की आयु में भी लगातार वारदातों को अंजाम दे रहा था। जांच में सामने आया कि आरोपी चोरी के बाद अपना ठिकाना बदल लेता था और अलग-अलग जिलों व राज्यों में वारदात करता था। इस मामले में भी वह चोरी की साड़ियां अंबाला ले गया था, जहां उसने एक किराए की दुकान ले रखी थी। बाद में वह पंजाब चला गया, जहां से पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया। फिलहाल पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी है।

स्वच्छता की ओर बड़ा कदम: महेंद्रगढ़ में कचरा उठान के लिए नई व्यवस्था शुरू

हरियाणा/यूटर्न/ 24 मार्च।महेंद्रगढ़ नगर पालिका ने शहर की स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करने के लिए डोर-टू-डोर कूड़ा उठान अभियान की शुरूआत की है। इस अवसर पर विधायक कंवर सिंह यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में नए टेंपो को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में डीएमसी रणबीर सिंह, नगर पालिका चेयरमैन रमेश सैनी और सभी पार्षदगण भी उपस्थित रहे। शहर की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए करीब 4 करोड़ 22 लाख रुपये के टेंडर जारी किए गए हैं। इस अभियान का उद्देश्य हर घर से नियमित रूप से कूड़ा एकत्रित कर उसका वैज्ञानिक तरीके से निपटान करना है। विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि स्वच्छता किसी भी शहर की पहचान होती है और इसमें नागरिकों की भागीदारी बेहद जरूरी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे कूड़ा इधर-उधर फेंकने के बजाय निर्धारित समय पर सफाई कर्मचारियों को दें। डीएमसी रणबीर सिंह ने बताया कि इस योजना से शहर में गंदगी और बीमारियों पर नियंत्रण पाया जा सकेगा। साथ ही कूड़े के पृथक्करण पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि गीले और सूखे कचरे का सही निपटान हो सके। उन्होंने यह भी बताया कि सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति सुधारने के लिए निर्माण और मरम्मत कार्य जारी हैं, जबकि लोगों को जागरूक करने के लिए अभियान भी चलाए जा रहे हैं।

Uturn Time 25 Mar 2026_Layout 2 24-03-2026 22:52 Page 5

यूटर्न टाइम
The Good, Bad and Ugly of India

पेज 12 लक्ज़रत बैंक विवाद गहराया: दुबई शिकायत के बाद ...

सुप्रीम कोर्ट का फैसला - सिर्फ हिंदू, सिख और बौद्ध ही अनुसूचित जाति का दर्जा पा सकते हैं

चंडीगढ़/यूटर्न/24 मार्च। कोई भी व्यक्ति जो किसी दूसरे धर्म में बदल जाता है, जिसमें ईसाई धर्म भी शामिल है, वह अनुसूचित जाति समुदाय के सदस्य को मिलने वाले फायदों की मांग नहीं कर सकता। जस्टिस पी.के. मिश्रा की अध्यक्षता वाली एक बेंच ने अपने फैसले में संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950 के क्लॉज 3 का हवाला दिया। इस क्लॉज के मुताबिक, ₹कोई भी व्यक्ति जो हिंदू धर्म के अलावा किसी दूसरे धर्म को मानता है, उसे अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जाएगा।₹ कोर्ट ने कहा कि इस क्लॉज के तहत लगाई गई रोक पूरी तरह से लागू होती है। कोर्ट ने पाया कि अगर कोई अनुसूचित जाति का सदस्य 1950 के आदेश के क्लॉज 3 में बताए गए धर्मों के अलावा किसी दूसरे धर्म में बदल जाता है, तो उसका आरक्षित श्रेणी का दर्जा खत्म हो जाएगा। अनुसूचित जाति का कोई भी व्यक्ति जो ईसाई धर्म अपना लेता है, वह अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत अपने अधिकारों के उल्लंघन का दावा नहीं कर सकता।

पहले हिंदुओं को मिलता था दर्जा

भारत में अनुसूचित जाति (एससी) के दर्जे से जुड़ी कानूनी स्थिति संविधान के अनुच्छेद 341 के तहत जारी किए संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950 पर आधारित है। शुरू में, इस आदेश के तहत एससी का दर्जा सिर्फ हिंदुओं को ही दिया जाता था, जो जाति-आधारित भेदभाव और हिंदू सामाजिक ढांचे के बीच के ऐतिहासिक जुड़ाव को दिखाता था। समय के साथ, इसमें संशोधन करके दूसरे धर्मों के लोगों को भी यह दर्जा पाने का हकदार बनाया गया, क्योंकि उन्हें भी इसी तरह की सामाजिक मुश्किलों का सामना करना पड़ता था। हालांकि, ईसाई या इस्लाम जैसे धर्मों को अपनाने वाले लोगों को इस आदेश के क्लॉज 3 के तहत रउ का दर्जा नहीं दिया जाता है।

कानूनी और राजनीतिक बहस का विषय रही

यह रोक लंबे समय से कानूनी और राजनीतिक बहस का विषय रही है। इस बहस का मुख्य मुद्दा यह है कि क्या जाति-आधारित भेदभाव अलग-अलग धर्मों में भी मौजूद है। अदालतों ने आम तौर पर संवैधानिक ढांचे को बरकरार रखा है, यह मानते हुए कि रउ लाभ कानून द्वारा परिभाषित अनुसार धर्म-विशिष्ट हैं। वर्तमान मामला इसी कानूनी पृष्ठभूमि से जुड़ा है, जहाँ धर्मांतरण आरक्षण और वैधानिक सुरक्षाओं के अधिकार को लेकर सवाल खड़े करता है।

दूसरे धर्म को मान और अपना नहीं सकता

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, संविधान या संसद या राज्य विधानमंडल द्वारा बनाए किसी भी कानून के तहत मिलने वाला कोई भी वैधानिक फायदा, सुरक्षा, आरक्षण या अधिकार उस व्यक्ति को नहीं दिया जा सकता, जिसे क्लॉज 3 के तहत अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जाता है। यह रोक पूरी तरह से लागू होती है और इसमें कोई छूट नहीं है। कोई भी व्यक्ति एक ही समय पर क्लॉज 3 में बताए गए धर्म के अलावा किसी दूसरे धर्म को मान और अपना नहीं सकता, और साथ ही अनुसूचित जाति का सदस्य होने का दावा भी नहीं कर सकता। यह फैसला एक ऐसे व्यक्ति के मामले में आया, जिसने ईसाई धर्म अपना लिया था और एक पादरी के तौर पर काम कर रहा था। लेकिन उसने कुछ लोगों के खिलाफ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत केस दायर किया था, जिन पर आरोप था कि उन्होंने उसके साथ मारपीट की थी।

सेक्टर-34 में फायर सेफ्टी पर सख्ती: बड़े संस्थानों में खामियां उजागर, निगम ने दी चेतावनी

चंडीगढ़/यूटर्न/24 मार्च। शहर में जनसुरक्षा को लेकर सख्ती बढ़ाते हुए नगर निगम के फायर एंड रेस्क्यू सर्विसेज विभाग ने सेक्टर-34 में व्यापक फायर सेफ्टी जांच अभियान चलाया। जॉइंट कमिश्नर-कम-चीफ फायर ऑफिसर डॉ. इंदरजीत के नेतृत्व में चली इस कार्रवाई में फायर विभाग की टीम ने प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। जांच के दौरान टीम ने सेक्टर-34 स्थित कोचिंग सेंटर और अन्य संस्थानों में फायर सुरक्षा से जुड़े इंतजामों का बारीकी से आकलन किया। इसमें फायर एक्सटिंग्विशर, अलार्म सिस्टम, आपातकालीन निकास मार्ग, संकेतक बोर्ड और बिजली व्यवस्था की स्थिति को विशेष रूप से परखा गया। निरीक्षण में कई गंभीर लापरवाहियां सामने आईं। कुछ स्थानों पर फायर डिटेक्शन सिस्टम काम नहीं कर रहे थे, जबकि कई इमारतों में एंट्री-एग्जिट संकेतक या तो अनुपस्थित थे या स्पष्ट नहीं थे। कुछ संस्थानों में फायर एग्जिट रास्तों पर अवरोध पाए गए, जो आपात स्थिति में खतरा बन सकते हैं। इसके अलावा, कई जगहों पर बिजली की वायरिंग भी खराब और असुरक्षित स्थिति में मिली।

फायर विभाग ने इन खामियों को गंभीर मानते हुए संबंधित संस्थानों को मौके पर ही नोटिस जारी किए और जल्द सुधार के निर्देश दिए। साथ ही, भवनों में ज्वलनशील सामग्री के भंडारण से बचने की सख्त हिदायत भी दी गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शहर में सुरक्षा मानकों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। भविष्य में भी ऐसे निरीक्षण अभियान जारी रहेंगे, ताकि सभी संस्थान तय नियमों का पालन सुनिश्चित करें और किसी भी संभावित हादसे को रोका जा सके।

संत रणजीत सिंह ढडुरियांवाले को 17 अप्रैल को अदालत में पेश होने के आदेश

चंडीगढ़/यूटर्न/ 24 मार्च। फतेहगढ़ साहिब की अदालत ने संत रणजीत सिंह ढडुरियांवाले को मानहानि मामले में 17 अप्रैल को

व्यक्तिगत रूप से पेश होने के आदेश दिए हैं। ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास की अदालत में आज इस केस की सुनवाई हुई, लेकिन संत ढडुरियांवाले खुद पेश नहीं हुए। उनके वकील ने अदालत से हाईकोर्ट जाने के लिए समय मांगा, जिसे अदालत ने स्वीकार नहीं किया। यह मामला शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य गुरप्रीत सिंह रंधावा द्वारा दायर किया गया है। आरोप है कि संत ढडुरियांवाले ने सिख प्रचारक बाबा हरी सिंह रंधावा और गुरप्रीत सिंह रंधावा के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं। 2019 में दर्ज इस केस में पहले निचली अदालत ने पेश होने के आदेश नहीं दिए थे, लेकिन बाद में उच्च अदालत के निर्देश पर उन्हें तलब किया गया। अब सभी की नजर 17 अप्रैल पर टिकी है कि वे अदालत में पेश होते हैं या हाईकोर्ट का रुख करते हैं।

जीरकपुर के होटल में युवक की संदिग्ध मौत, 20 दिन पहले होटल मालिक को होटल ना खोलने दी गई थी हिदायत

जीरकपुर/यूटर्न/ 24 मार्च। शहर के रंजन प्लाजा स्थित सिटी पैलेस होटल में उस समय सनसनी फैल गई, जब एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटकी लाश बरामद हुई। मृतक की पहचान अभिषेक चौहान (पुत्र परसराम), निवासी तहसील ठियोग, जिला शिमला के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, युवक दो दिन पहले ही होटल में ठहरा था और उसने कमरा बुक कराया था। सोमवार रात करीब 9 बजे जब होटल स्टाफ ने कमरे में संदिग्ध स्थिति देखी, तो अंदर जाकर देखा कि युवक फंदे से लटका हुआ है। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर डेराबस्सी अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है और हर एंगल से जांच की जा रही है। वहीं, मृतक के परिजनों से संपर्क करने की कोशिश की जा रही है, लेकिन देर रात तक कोई संपर्क नहीं हो सका।

१० दिन पहले होटल न खोलने की दी गई थी चेतावनी , फिर कैसे खुला होटल ?

इस पूरे मामले ने पुलिस और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। दरअसल, 2 मार्च 2026 को जीरकपुर की एएसपी गजलप्रीत कौर ने गुप्त सूचना के आधार पर इसी सिटी पैलेस होटल पर छापा मारा था। छापेमारी के दौरान होटल में अवैध गतिविधियां सामने आने के बाद इसे कानूनी प्रक्रिया के तहत होटल मालिक को होटल ना खोलने के लिए चेतावनी दी गई थी लेकिन उसके बावजूद उसने होटल कैसे खोला गया यह अपने आप में बड़ा प्रश्न है।

बड़ा सवाल

एक तरफ युवक की संदिग्ध मौत और दूसरी तरफ सील होटल का दोबारा खुलना। यह मामला सिर्फ एक घटना नहीं, बल्कि सिस्टम की कार्यशैली पर बड़ा सवाल बनकर सामने आया है।

क्या कहना है अधिकारियों का

इस संबंध में जब एएसपी गजलप्रीत कौर से संपर्क किया तो उन्होंने कहा कि हमने होटल को सील करने की प्रक्रिया की हुई थी, मैजिस्ट्रेट के संज्ञान में मामला था। उनसे फीडबैक लिया जाएगा कि होटल को पूरी तरह से सील कब तक किया जा सकेगा। हालांकि होटल मालिक को होटल ना खोलने के लिए चेतावनी दी गई थी लेकिन उसके बावजूद उसने होटल खोला जिस कारण उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। दूसरी तरफ जिस युवक ने होटल में सुसाइड किया है उसकी हिमाचल में लापता की रिपोर्ट दर्ज है। मृतक के परिजनों ने बताया कि वह मानसिक तौर पर परेशान था। इसमें जीरकपुर पुलिस की ओर से 174 की कार्रवाई की गई है।

Uturn Time 25 Mar 2026_Layout 2 24-03-2026 22:52 Page 6

ऐसी धार्मिक कथाएं लोगों को धर्म व भक्ति के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं - एस एस खुराना

लुधियाना/यूटर्न/24 मार्च। चैत्र नवरात्रि के पावन उपलक्ष्य में जगराओं पुल स्थित श्री दुर्गा माता मंदिर में इन दिनों भक्ति की अविरल धारा बह रही है। अंसल एस्टेट व अंसल वेल्थ एडवाइजर्स के एस.एस. खुराना एवं ट्रस्ट परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत महापुराण कथा के छठे दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मुख्य यजमान खुराना परिवार द्वारा व्यास गद्दी के पूजन और भव्य आरती के साथ किया गया। वृंदावन से पधारे कथा व्यास श्रीमद् जगद्गुरु वेणुगोपाल शरण महाराज ने अपनी अमृतमयी वाणी में कहा कि जिस पर ठाकुर जी की अनुपम कृपा होती है, उस पर भगवान की विशेष कृपा सदैव बनी रहती है। इस अवसर पर आयोजित सामूहिक आरती में सैकड़ों भक्तों ने भाग लेकर पुण्य लाभ प्राप्त किया। इस मौके पर एस.एस.

खुराना ने कहा कि चैत्र नवरात्रि के इस पावन अवसर पर श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन करवाना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। ऐसी धार्मिक कथाएं समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती हैं और लोगों को धर्म व भक्ति के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं। हम सभी को अपने जीवन में सत्संग और सेवा को अपनाना चाहिए। मंदिर प्रबंधन के अनुसार ज्ञान और भक्ति की यह गंगा 25 मार्च तक प्रतिदिन शाम 4:15 बजे से 7:15 बजे तक निरंतर प्रवाहित होती रहेगी।

रूह से रूबरू

चारू नागपाल

Energy Lockdown

23 मार्च 2026 को देश के प्रधान मंत्री जी ने का भाषण देश के लिए कई महत्वपूर्ण संकेत देता हुआ नजर आता है कि देश आने वाले समय में ऊर्जा की कमी के कारण देश विकट अर्थ व्यवस्था की शिकार हो सकती है जिसके लिए हम सभी को तैयार होना होगा उन्होंने एकजुट होकर बिना घबराहट पैदा किए हर स्थिति का सामना करने के लिए तैयार रहने पर जोर दिया साथ ही साथ इस भाषण में उन्होंनेआत्मनिर्भर भारत, तकनीकी प्रगति और युवाओं की भूमिका पर विशेष जोर दिया। उन्होंने इस विकट समय से देश को उबारने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बारे में भी अवगत करवाया। स्पष्ट था कि सरकार आने वाले समय में देश को आर्थिक और डिजिटल रूप से और मजबूत बनाने की दिशा में काम कर रही है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में राष्ट्रीय एकता और सुरक्षा को भी प्रमुख विषय बनाया। उन्होंने यह संदेश दिया कि देश को बाहरी और आंतरिक चुनौतियों से निपटने के लिए एकजुट रहना होगा। इसके साथ ही उन्होंने किसानों, मजदूरों और मध्यम वर्ग के लिए नई योजनाओं और सुधारों का संकेत भी दिया, जिससे आम जनता केजीवन स्तर को बेहतर बनाया जा सके। भाषण में युवाओं को नवाचार और स्टार्टअप की ओर प्रेरित किया गया, जो यह दशार्ता है कि भविष्य की अर्थव्यवस्था में उनकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होगी। कुल मिलाकर, यह भाषण विकास, आत्मनिर्भरता और राष्ट्रीय एकता की दिशा में आगे बढ़ने का संकेत देता है, जो देश को इस आपदा में भी उज्ज्वल भविष्य की ओर इशारा करता है।

फिक्की फ्लो लुधियाना मेराकी ग्लोबल एजुकेशन समिट पंजाब एडिशन का सफल आयोजन

लुधियाना/यूटर्न/24 मार्च। फिक्की फ्लो लुधियाना ने अपनी चेयरपर्सन श्वेता जिंदल और उनकी कोर कमेटी के गतिशील नेतृत्व में, मेराकी के सहयोग से मेराकी ग्लोबल एजुकेशन समिट पंजाब एडिशन का सफल आयोजन हयात रीजेंसी, लुधियाना में किया। समिट की शुरूआत स्वागत सत्र के साथ हुई और इसे विशेष रूप से परिवारों को अंतरराष्ट्रीय शिक्षा के बदलते परिदृश्य से अवगत कराने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया था। इस दौरान वैश्विक शिक्षा विकल्पों, एडमिशन प्रक्रिया और उभरते करियर अवसरों पर विस्तृत जानकारी दी गई। इस सत्र में मेराकी टीम के अबूबक्र एल हसन, रितु मोहिंद्रा, अश्विन मलिक, कबीर मुस्तफी के साथ-साथ संस्थापक दीप्ति मुंजाल और अमोल मुंजाल उपस्थित रहे। विशेषज्ञों ने यूनिवर्सिटी चयन, आवेदन प्रक्रिया और व्यक्तिगत रुचियों के अनुसार सही अकादमिक विकल्प चुनने पर महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए। अपने संबोधन में चेयरपर्सन श्वेता जिंदल ने कहा कि आज के तेजी से बदलते दौर में परिवारों को सही मार्गदर्शन, स्पष्टता और आत्मविश्वास देना बेहद जरूरी है, ताकि वे वैश्विक शिक्षा के अवसरों को बेहतर तरीके से समझ सकें। समिट की खास बात इसका इंटरैक्टिव प्रारूप रहा, जिसमें अभिभावकों और छात्रों ने विशेषज्ञों से सीधे संवाद कर अपने सवालों के जवाब प्राप्त किए और विदेश में पढ़ाई से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर स्पष्टता हासिल की।फिक्की फ्लो लुधियाना के साथ इस सहयोग ने ज्ञान-आधारित मंचों के माध्यम से परिवारों को सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता को और मजबूत किया।

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

Builder-Buyer Agreement क्या होता है और इसमें क्या जोखिम होते हैं?

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

जब कोई व्यक्ति निमार्णाधीन परियोजना (under-construction property) में फ्लैट या प्लॉट खरीदता है, तो आमतौर पर Builder-Buyer Agreement किया जाता है। यह दस्तावेज खरीदार और बिल्डर के बीच अधिकारों और दायित्वों को तय करता है। इस समझौते में परियोजना का विवरण, भुगतान योजना, निर्माण की समयसीमा, सुविधाएँ और देरी की स्थिति में शर्तें लिखी होती हैं।

लेकिन कई मामलों में यह देखा गया है कि समझौते की शर्तें बिल्डर के पक्ष में अधिक झुकी होती हैं। खरीदार बिना पढ़े या समझे दस्तावेज पर हस्ताक्षर कर देता है, जिससे बाद में विवाद उत्पन्न होते हैं।

इसलिए Builder-Buyer Agreement पर हस्ताक्षर करने से पहले उसकी शर्तों को ध्यान से पढ़ना और आवश्यक होने पर कानूनी सलाह लेना महत्वपूर्ण है।

निष्कर्ष : Builder-Buyer Agreement केवल औपचारिक दस्तावेज नहीं है। यह भविष्य के अधिकारों और दायित्वों को निर्धारित करता है, इसलिए इसे समझकर ही स्वीकार करना चाहिए।

यूपी में 25 मार्च को 'नवारंभ उत्सव': बालवाटिका से बच्चों की शिक्षा की होगी रोचक शुरूआत

लखनऊ, यूटर्न, 24 मार्च। उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा 25 मार्च को प्रदेश के समस्त बालवाटिका (को-लोकेटेड आंगनवाड़ी केंद्र) युक्त विद्यालयों में नवारंभ उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस पहल के माध्यम से प्रारंभिक शिक्षा को सुदृढ़ करते हुए बच्चों के शैक्षिक जीवन की सहज और प्रेरक शुरूआत सुनिश्चित की जा रही है। इस कार्यक्रम की औपचारिक शुरूआत अपर मुख्य सचिव (बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा) पार्थ सारथी सेन शर्मा द्वारा विकासखंड सरोजनीनगर के ग्राम रामचौरा स्थित प्राथमिक विद्यालय की बालवाटिका से की जाएगी। उत्सव के दौरान 3 से 4 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को रेत पर लेखन जैसी गतिविधियों के माध्यम से अनौपचारिक शिक्षा से जोड़ा जाएगा, जिससे सीखने की प्रक्रिया को खेल-आधारित और रोचक बनाया जा सके।

Uturn Time 25 Mar 2026_Layout 2 24-03-2026 22:52 Page 7

निगम जोन-ए में थोक के भाव बनी इललीगल इमारतें, रेगुलर एटीपी भी नहीं ले पा रहे एक्शन, क्या एडिशनल कमिश्नर मैडम करेंगी कार्रवाई !

राजदीप सिंह सैनी

पंजाब/यूटर्न/24 मार्च। नगर निगम के जोन-ए में थोक के भाव पर इललीगल इमारतें बन रही हैं। बिल्डिंग ब्रांच के अधिकारी इन पर एक्शन लेने में असमर्थ दिखाई दे रहे हैं। इन बढ़ते अवैध निमार्णों के मामलों को रोकने के लिए निगम कमिश्नर नीरू कत्याल द्वारा रेगुलर एटीपी के तौर पर जोन-ए में एटीपी कपिल देव की नियुक्ति की गई। लेकिन उनकी नियुक्ति के बाद भी इन अवैध इमारतों पर एक्शन नहीं हो पा रहा। जबकि पहले शहर में सभी टेपोरेरी एटीपी हटाने की बात के साथ-साथ यह चचार्एं जोरो पर थी कि रेगुलर एटीपी लगेगें तो सभी इमारतें नियमों मुताबिक बनेगीं और अवैध इमारतों पर एक्शन लेने के लिए लापरवाही नहीं होगी। लेकिन एटीपी के चार्ज लेने के 14 दिन बाद भी अवैध इमारतें पहले की तरह बरकरार हैं। इन अवैध निमार्णों में मुख्य मामले चांद सिनेमा रोड पर बनी मरवाहा मैन्स वेयर की चार मंजिलां इमारत और पुरानी कोतवाली इलाके में बनी बेसमेंट समेत छह मंजिलां कमर्शियल बिल्डिंग है। यह दोनों मामले इस लिए अहम हैं क्योंकि इनमें उच्च अधिकारियों और सीनियर डिप्टी मेयर द्वारा एक्शन लेने के आदेश दिए गए थे। लेकिन महीनों बीतने पर भी कार्रवाई नहीं हो सकी। वहीं अब देखना होगा कि क्या निगम कमिश्नर द्वारा इसी महीने बिल्डिंग ब्रांच की इंचार्ज नियुक्त की गई पीसीएस अधिकारी एडिशनल कमिश्नर दीपजोत कौर एक्शन ले सकेंगी या नहीं।

- **एटीपी ने कहा था चैक करेगें मामला...**वहीं इस मामले में 14 दिन पहले चार्ज लेने के दौरान एटीपी कपिल देव से बात की गई थी। तब उन्होंने मामला चैक करने की बात कही थी। लेकिन फिर अब व्यस्त होने के चलते फोन नहीं उठा पा रहे।
- **अधिकारियों से मांगी जाएगी रिपोर्ट....**मामले में एडिशनल कमिश्नर दीपजोत कौर से संपर्क किया गया तो उनका कहना था कि यह मामले उनके ध्यान में नहीं है। इस संबंधी अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी जाएगी। वहीं दोबारा उनसे संपर्क नहीं हो सका।

पुरानी कोतवाली एरिया में बनी बहुमंजिलां इमारत

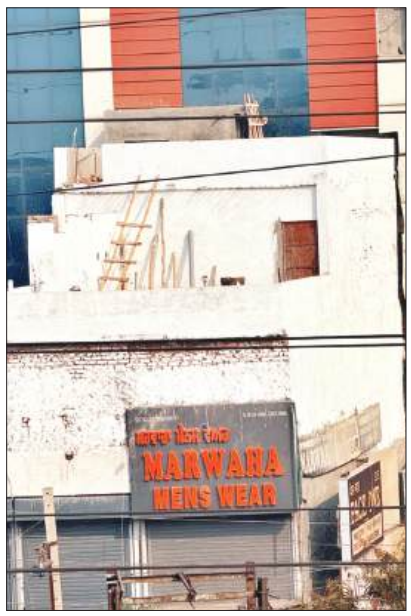

चांद सिनेमा रोड पर शोरुम का अवैध निर्माण

नियमों के तहत किया गया निर्माण

वहीं इस मामले में मरवाहा मैन्स वेयर के मालिक सिमरन से संपर्क किया गया था तो उन्होंने पहले पुरानी बिल्डिंग की रिपेयर करने की बात कही थी। लेकिन फिर कहा कि उनकी बिल्डिंग नियमों के तहत बनाई गई है। दूसरी तरफ पीएस मोबाइल शॉप मालिक नवजोत सिंह द्वारा भी नियमों मुताबिक निर्माण की बात कही गई है।

सीनियर डिप्टी मेयर के आदेशों की भी नहीं प्रवाह...पुरानी कोतवाली इलाके में 10 फीट की सड़क पर 40 गज में पीएस मोबाइल स्पेयर पॉट्स नाम से बेसमेंट समेत छह मंजिलां ऊंची इमारत बना दी गई। पहले यह दो मंजिलां थी, फिर मिलीभगत कर बहुमंजिलां बना दी गई। इस मामले में 20 दिन पहले सीनियर डिप्टी मेयर राकेश पराशर द्वारा कार्रवाई के आदेश दिए थे। जिस पर तब एटीपी रहे गुरविंदर पाल सिंह लक्की और इंस्पेक्टर कशिश गर्ग द्वारा बिल्डिंग मालिक को खानापूर्ति के लिए नोटिस निकाला गया। लेकिन उसके आगे कोई एक्शन नहीं लिया। जिसके बाद सिर्फ बहाने बनाए जा रहे हैं। एटीपी द्वारा पूर्व एटीपी के समय और इंस्पेक्टर कशिश द्वारा दूसरे इंस्पेक्टर के कार्यकाल में बिल्डिंग बनने का कहकर बचाव किया जा रहा है। लेकिन मौजूदा अधिकारी वह होने पर भी कोई एक्शन नहीं लिया। जबकि द्वारा मामले में सीधे तौर पर एक्शन के आदेश दिए थे। लेकिन अधिकारियों ने उनके आदेशों को भी दरकिनार कर दिया।

अफसरों के तबादले होने के कारण हुई देरी...वहीं सीनियर डिप्टी मेयर राकेश पराशर का कहना है कि कुछ दिन पहले एटीपीज के तबादले हुए हैं, जबकि इंस्पेक्टर कशिश गर्ग छुट्टी पर चली गईं। जिसके चलते कार्रवाई में देरी हुई। लेकिन जल्द एक्शन लिया जाएगा।

छह महीने आईवॉश में जुटे रहे अधिकारी

चांद सिनेमा रोड पर मरवाहा मैन्स वेयर शोरुम मालिक सिमरन की डेढ़ मंजिलां इमारत पास हुई। मगर साढ़े चार मंजिल बना डाली। सितंबर 2025 में दूसरा लैटर पड़ने के दौरान पूर्व एटीपी गुरविंदर पाल सिंह लक्की को शिकायत हुई। लेकिन मालिक के दबाव में एक्शन नहीं लिया। फिर पूर्व कमिश्नर आदित्य डेचलवाल, एडिशनल कमिश्नर परमदीप सिंह खैरा को शिकायत हुई। पूर्व कमिश्नर ने पहले पूर्व एटीपी लक्की को कार्रवाई के आदेश दिए। आईवॉश करने को पहले उसे सस्पेंड किया और फिर उसे ही दोबारा नियुक्त कर कार्रवाई को कहा। अब यह सोचने वाली बात है कि जिस अधिकारी को जिस मामले में एक्शन न लेने पर सस्पेंड किया, 10 दिन बाद उसे बहाल कर फिर उसी सीट पर बैठाकर उसी मामले में एक्शन लेने को कह डाला। नतीजाजनक फिर कार्रवाई नहीं हुई।

आज तक भी कुछ अधिकारी कर रहे बचाव

बिल्डिंग नियमों के मुताबिक कोई भी कमर्शियल इमारत डेढ़ मंजिल से ऊपर पास नहीं हो सकती। अगर उससे ऊपर बना दी तो वह सिर्फ सील होगी या गिराई जाएगी। किसी भी हालात में उसे कंपाउंड नहीं किया जा सकता। निगम अधिकारी अगर कोई भी ऐसी ऊंची इमारत को कंपाउंड करने की बात करते हैं, तो वह इललीगल है। चांद सिनेमा की मरवाहा मैन्स वेयर बिल्डिंग मामले में आज तक पूर्व एटीपी गुरविंदर लक्की द्वारा चारों मंजिलों की फीस जमा होने के दावे किए जा रहे हैं। लेकिन फिर जमा किसके कहने और किन नियमों के तहत हुई यह बताने में असमर्थ है। वहीं मौजूद एटीपी कपिल देव तो कुछ बता ही नहीं पा रहे।

आखिर कौन सी मजबूरी में फंसे है अधिकारी, जानने की जरुरत

वहीं शहर में चर्चा छिड़ गई है कि पूर्व एडिशनल कमिश्नर और बिल्डिंग ब्रांच इंचार्ज परमदीप सिंह खैरा और सीनियर डिप्टी मेयर राकेश पराशर द्वारा कार्रवाई के सीधे तौर पर आदेश देने के बावजूद अधिकारी एक्शन नहीं ले पा रहे हैं। जिसके चलते शहर में चर्चा छिड़ गई है कि उच्च अधिकारियों को बिल्डिंग ब्रांच के अफसरों को बुलाकर जानने की जरुरत है कि आखिर उनकी ऐसी कौन सी मजबूरी है कि वह एक्शन लेने में असमर्थ हैं। अगर उन्हें कोई समस्या है तो उसे पहल के आधार पर हल करना चाहिए।

रेगुलर एटीपीज जरिए अवैध निमार्णों पर नुकेल डालना था मकसद

पहले रेगुलर एटीपीज की कमी का हवाला देते हुए इंस्पेक्टर या हैड ड्राफ्ट्समैन को एटीपी बनाकर बिल्डिंग ब्रांच का काम दे रखा था। जिस कारण टेपोरेरी एटीपीज पर आरोप लगते थे कि वह गलत तरीके से नक्शे पास कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें तकनीकी चीजें नहीं पता। वहीं उन पर अवैध निर्माण कराने और एक्शन न लेने के आरोप थे। कमिश्नर नीरू कत्याल द्वारा लुधियाना का चार्ज लिया गया तो उन्हें पता चला कि रेगुलर एटीपीज फ्री बैठे हैं और शहर में अवैध निर्माण बढ़ रहे हैं। जिसके बाद उन्होंने रेगुलर एटीपी तैनात किए। तब चर्चा छिड़ी कि इनकी तैनाती से अब अवैध निर्माण नहीं होंगे, जबकि टेपोरेरी एटीपीज जिन बिल्डिंग मालिकों को बचा रहे हैं, उन पर भी कार्रवाई हो सकेगी। कुछ जोन में तो इन तबादलों का असर देखने को भी मिला था।

डीएम सुसाइड केस में CBI जांच की मांग, भाजपा का पंजाब भर में प्रदर्शन

डेराबस्सी में भी कार्यकताओं ने किया विरोध, सरकार पर मामले को दबाने के आरोप

डेराबस्सी, यूटर्न, 24 मार्च। पंजाब वेयरहाउस कॉरपोरेशन के डीएम डॉ. गगनदीप सिंह रंधावा की आत्महत्या के मामले में उइक जांच की मांग को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को पंजाब भर में मंडल स्तर पर प्रदर्शन किए। इस दौरान कार्यकताओं ने पंजाब सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर निष्पक्ष जांच की मांग उठाई।

डेराबस्सी में भाजपा नेता मनप्रीत सिंह बन्नी संधू के नेतृत्व में प्रदर्शन किया गया। इसमें मंडल अध्यक्ष, पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय लोगों ने भाग लिया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि सरकार इस मामले को दबाने का प्रयास कर रही है, जिससे लोगों में रोष बढ़ रहा है।

इस मौके पर बन्नी संधू ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा उइकजांच से इनकार करना गंभीर मामला है। उन्होंने कहा कि जब तक सच्चाई सामने नहीं आती, भाजपा आंदोलन जारी रखेगी। भाजपा नेताओं ने मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही उइक जांच का ऐलान नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। भाजपा के इस प्रदेशव्यापी प्रदर्शन के बाद राज्य की सियासत में एक बार फिर गर्माहट आ गई है और आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर सियासी टकराव बढ़ने के संकेत हैं।

इंडो-पैसिफिक के भविष्य में भारत की अहम भूमिका: अमेरिकी उप रक्षा सचिव

नई दिल्ली/वॉशिंगटन, यूटर्न 24 मार्च। अमेरिका के नीति मामलों के उप रक्षा सचिव एल्ब्रिज कोल्बी ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका भारत को बहुत सम्मान की नजर से देखता है। इस देश की एक गौरवशाली रणनीतिक परंपरा है, और नई दिल्ली के फैसले इंडो-पैसिफिक के भविष्य को गहराई से प्रभावित करेंगे। भारत-अमेरिका के अहम रिश्तों को आगे बढ़ाने में मदद करने के लिए पेंटागन के ये शीर्ष अधिकारी नई दिल्ली में वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत करने भारत आए हुए हैं। अनंत सेंटर में एक विशेष सत्र के दौरान एल्ब्रिज कोल्बी ने कहा, संयुक्त राज्य अमेरिका भारत को गहरे सम्मान से देखता है। एक ऐसे गणराज्य के रूप में जो महाद्वीपीय स्तर का है, एक ऐसे राष्ट्र के रूप में जिसकी एक गौरवपूर्ण रणनीतिक परंपरा है, और एक ऐसे देश के रूप में जिसके निर्णय इंडो-पैसिफिक और व्यापक अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य के भविष्य को गहराई से आकार देंगे।

Uturn Time 25 Mar 2026_Layout 2 24-03-2026 22:52 Page 8

ट्राई-सिटी का पहला ड्रोन शो: सेक्टर 37 सेंट पीटर्स स्कूल में छात्रों और अभिभावकों को किया मंत्रमुग्ध

एरोबे की शानदार एरियल प्रस्तुति के साथ ट्राई-सिटी के पहले अकएवं रोबोटिक्स स्किल कॉम्पोजिट लैब की शुरूआत

चंडीगढ़/यूटर्न/24 मार्च। जब आधुनिक तकनीक और बच्चों की जिज्ञासा एक साथ आती है, तो नजारा बनता है आसमान में जादू का। सेंट पीटर्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर 37-बी में आज एरोबे द्वारा आयोजित ड्रोन शो ने छात्रों और अभिभावकों को रोमांचित कर दिया। यह ट्राई-सिटी के किसी स्कूल परिसर में आयोजित अपनी तरह का पहला ड्रोन शो था।

करीब 30 फीट ऊंचाई तक उड़ते सिंक्रोनाइज्ड ड्रोन ने सटीक मूवमेंट्स और आकर्षक आकृतियों के जरिए सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। 500 से अधिक छात्र और अभिभावक सुबह और दोपहर के दो सत्रों में इस अद्भुत प्रदर्शन के साक्षी बने। कार्यक्रम की शुरूआत स्कूल की प्रिंसिपल सुश्री रुचि दत्ता ने की। उन्होंने कहा, इस तरह की गतिविधियां बच्चों के समग्र विकास के लिए बेहद जरूरी हैं। यह ड्रोन शो न केवल मनोरंजक था, बल्कि शैक्षणिक रूप से भी प्रेरणादायक रहा, जिससे छात्र नई तकनीकों को समझने और अपनाने के लिए प्रेरित होंगे।

एरोबे द्वारा सुबह के सत्र में छात्रों को उपहार भी वितरित किए गए, जिससे बच्चों की खुशी दोगुनी हो गई।

इस आयोजन के साथ ही स्कूल में ट्राई-सिटी का पहला अक एवं रोबोटिक्स स्किल कॉम्पोजिट लैब भी शुरू किया गया। एरोबे के एक्सपीरिएंशियल लर्निंग प्रोग्राम के तहत यह लैब कक्षा 3 से 12 तक के छात्रों को रळएअट और अक आधारित शिक्षा प्रदान करेगी, जिससे वे भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार हो सकें।

मैसरखाना में लगने वाले मेले के मद्देनजर 24 और 25 मार्च को छुट्टी घोषित

सोनू टुटेजा

बठिंडा, /यूटर्न/24 मार्च। डिप्टी कमिश्नर श्री राजेश धीमान ने कहा कि जिले के गांव मैसरखाना में 24 और 25 मार्च को लगने वाले मेले के मद्देनजर 24 और 25 मार्च 2026 को सरकारी छुट्टी घोषित की गई है।

डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट मौड़ की मांग पर गांव मैसरखाना के सरकारी एलिमेंट्री, सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, मैसरखाना और माता मैसरखाना कॉलेज ऑफ एजुकेशन (फॉर गर्ल्स) में 24 और 25 मार्च 2026 को यह छुट्टी घोषित की गई है।

उन्होंने कहा कि इस मेले में लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं, जिससे शहर में काफी भीड़ होती है, इसलिए मेले के दौरान कोई अप्रिय घटना न हो। इसलिए यह सरकारी छुट्टी घोषित की गई है।

शहीदी दिवस पर मनीमाजरा में भव्य रक्तदान शिविर, 53 लोगों ने किया रक्तदान

चंडीगढ़/यूटर्न/24 मार्च। शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरु एवं सुखदेव के शहीदी दिवस के अवसर पर भारत विकास परिषद, मनीमाजरा शाखा द्वारा गुरुद्वारा देहरा साहिब, मनीमाजरा में एक भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य में 53 लोगों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। शिविर में सहयोगी संस्थाओं के रूप में समस्या समाधान टीम तथा भगत सिंह राजगुरु सुखदेव युवा दल ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इस दौरान उपस्थित जनों को देश की तरक्की और मानव सेवा में योगदान देने के लिए प्रेरित किया गया।

भगत सिंह राजगुरु सुखदेव युवा दल के सदस्यों ने कहा कि शहीदों का बलिदान हमें राष्ट्र सेवा और मानवता की भलाई के लिए निरंतर कार्य करने की प्रेरणा देता है। रक्तदान जैसे पुनीत कार्य के माध्यम से न केवल जरूरतमंदों की जान बचाई जा सकती है, बल्कि यह शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि भी है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे ऐसे सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लें। वहीं, समस्या समाधान टीम के सदस्यों ने कहा कि रक्तदान मानव सेवा का सर्वोच्च माध्यम है और समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान करना चाहिए। ऐसे आयोजन समाज में एकता, सहयोग और सेवा भावना को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम के दौरान भट्टी जी द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया तथा सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया गया। उल्लेखनीय है कि यह सेवा प्रकल्प पिछले 18 वर्षों से लगातार चल रहा है, जो समर्पण और सामाजिक सेवा का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। गुरुद्वारा साहिब के सहयोग से ही इस प्रकार के सफल आयोजन संभव हो पाते हैं।

राम दरबार में कूड़े का अंबार बना खतरा, गैस गोदामों के पास बड़ा हादसा होने की आशंका

पुनीत महाजन

चंडीगढ़, यूटर्न, 24 मार्च। शहर के वार्ड नंबर 19 के अंतर्गत राम दरबार बस स्टॉप के पास स्थित पार्क साइड क्षेत्र इन दिनों गंभीर सफाई संकट से जूझ रहा है। इलाके में कूड़े-कचरे का विशाल ढेर जमा होने से न केवल स्थानीय निवासियों का जीवन प्रभावित हो रहा है, बल्कि यह स्थिति अब जन सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा बनती जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, कई दिनों से कूड़ा नहीं उठाया गया है, जिससे पूरे क्षेत्र में दुर्गंध फैल गई है और मच्छरों व बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं के लिए यहां रहना मुश्किल हो गया है।

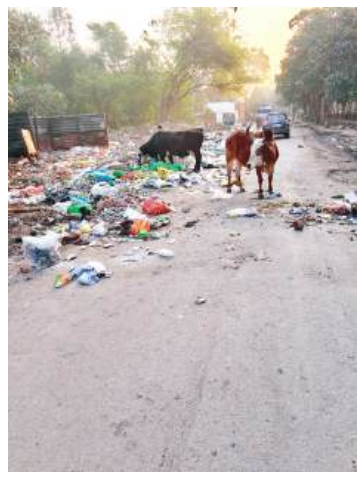

स्थिति को और चिंताजनक बनाता है इस स्थान के आसपास स्थित गैस एजेंसियों के गोदाम। यहां रोजाना सैकड़ों लोग गैस सिलेंडर लेने के लिए पहुंचते हैं और 3 से 4 घंटे तक लंबी कतारों में खड़े रहते हैं। कूड़े के ढेर और ज्वलनशील गैस सिलेंडरों की नजदीकी किसी भी समय बड़ी दुर्घटना को न्योता दे सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, कूड़े में मौजूद प्लास्टिक, सूखा कचरा और ज्वलनशील पदार्थ आग लगने की स्थिति में तेजी से फैल सकते हैं, जिससे विस्फोट जैसी गंभीर घटना भी हो सकती है। ऐसे में यह मामला केवल सफाई तक सीमित नहीं, बल्कि आपदा प्रबंधन से भी जुड़ गया है। सामाजिक कार्यकर्ता अरविंद सिंह ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा कि नगर निगम को प्राथमिकता के आधार पर कूड़ा हटाने, नियमित सफाई व्यवस्था लागू करने और गैस गोदामों के आसपास सुरक्षा मानकों को सख्ती से लागू करना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई, तो यह लापरवाही बड़े हादसे का कारण बन सकती है। स्थानीय निवासियों ने भी प्रशासन से अपील की है कि इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए तुरंत समाधान किया जाए, ताकि क्षेत्र को साफ-सुथरा और सुरक्षित बनाया जा सके।

असम के पोंजी घोटाले में ईडी ने 13.41 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की

गुवाहाटी, यूटर्न, 24 मार्च। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के गुवाहाटी क्षेत्रीय कार्यालय ने मंगलवार को मेसर्स डीबी स्टॉक कंसल्टेंसी और उसके मालिक दीपांकर बर्मन से जुड़े एक बड़े पोंजी घोटाले के सिलसिले में 13.41 करोड़ रुपए की संपत्ति अस्थायी रूप से जब्त कर ली है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत की गई है। ईडी ने यह कार्रवाई अनियमित जमा योजनाओं के माध्यम से निवेशकों के साथ कथित धोखाधड़ी की चल रही जांच के बाद की है। ईडी के अनुसार, जब्त की गई संपत्तियों में लगभग 8.71 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियां शामिल हैं, जिनमें गुवाहाटी, हैदराबाद और विशाखापत्तनम में स्थित फ्लैट, जमीन और कार्यालय स्थान जैसी 13 संपत्तियां शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, लगभग 4.7 करोड़ रुपए की चल संपत्ति जब्त की गई है, जिसमें 4.03 करोड़ रुपए वाले 27 बैंक खाते और लगभग 66.45 लाख रुपए के म्यूचुअल फंड और इक्विटी निवेश शामिल हैं। ईडी ने गुवाहाटी के पलटन बाजार पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की, जिसे बाद में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अपने हाथ में ले लिया। यह मामला भारतीय न्याय संहिता, 2023 और अनियमित जमा योजनाओं पर प्रतिबंध अधिनियम, 2019 की संबंधित धाराओं के तहत अपराधों से संबंधित है।

Uturn Time 25 Mar 2026_Layout 2 24-03-2026 22:52 Page 9

अंतिम विदाईः नम आंखों से पंचतत्व में विलीन हुए सरदार सतनाम सिंह भंडारी

जगराओं की जानी-मानी शख्सियत के अंतिम संस्कार में उमड़ा जनसैलाब

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/24/मार्च। प्रताप सिंह क्षेत्र के प्रतिष्ठित भंडारी परिवार के मुखिया और जगरांव की सम्मानित शख्सियत सरदार सतनाम सिंह भंडारी आज पंचतत्व में विलीन हो गए। 75 वर्ष की आयु में कल रात उन्होंने इस नश्वर संसार को अंतिम विदाई दी थी। उनके निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। शहर के श्मशान घाट में आयोजित उनके अंतिम संस्कार के दौरान हर आंख नम नजर आई।

अंतिम यात्रा में शामिल हुए दिग्गज

स्वर्गीय भंडारी को विदाई देने के लिए समाज के हर वर्ग के लोग पहुंचे। उनकी अंतिम यात्रा में धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधियों सहित भारी संख्या में नागरिक शामिल हुए।

प्रमुख रूप से: शिरोमणि

अकाली दल के जिला ग्रामीण अध्यक्ष चद सिंह डल्ला और शहरी अध्यक्ष चरणजीत सिंह चीनू।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रोफेसर सुखविंदर सिंह और विधायक बीबी सरबजीत कौर मानुके।

धार्मिक संस्थाएं: शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य भाई गुरचरण सिंह ग्रेवाल, खालसा परिवार और लोक सेवा सोसाइटी के प्रतिनिधि।

पूर्व जनप्रतिनिधि: पूर्व विधायक एस.आर. कलेर, पूर्व चेयरमैन कंवलजीत सिंह मल्ला और नगर परिषद के कई पूर्व व वर्तमान पदाधिकारी।

परिवार ने दी मुखाग्नि

सरदार सतनाम सिंह भंडारी की चिता को उनके भाई व प्रसिद्ध संगीतकार भाई निरपाल सिंह अबोहर वाले, उनके भतीजे प्रिंसिपल चरणजीत सिंह भंडारी (अध्यक्ष, गुरुद्वारा गुरु नानकपुरा मोरी गेट), वरिष्ठ अकाली नेता दीपिंदर सिंह भंडारी, और उनके पोतों— इश्मीत सिंह, कश्मीत सिंह व अंशप्रीत सिंह ने मुखाग्नि दी।

शोक व्यक्त करने वाली प्रमुख हस्तियां

अंतिम संस्कार के दौरान और परिवार के साथ दुख साझा करने वालों में एडवोकेट महिंदर सिंह सिधवां, ठेकेदार हरविंदर सिंह चावला, नगर परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष कंवरपाल सिंह, पूर्व अध्यक्ष अमरजीत सिंह मालवा, सतीश कुमार पप्पू, रिशवदीप सिंह हेरां (मैनेजिंग एडिटर, पहरेदार), और लायंस क्लब जगरांव यूथ के अध्यक्ष राजिंदर जैन काका सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

श्रद्धांजलि: सरदार सतनाम सिंह भंडारी का जाना जगराओं के सामाजिक ताने-बने के लिए एक अपूरणीय क्षति है। वे एक ऐसे मार्गदर्शक थे जिन्होंने हमेशा मिलनसार स्वभाव और सेवा भावना को सर्वोपरि रखा।

रंधावा आत्महत्या का मामला सीबीआई को सौंपने से इनकार करके भगवंत मान ने बेशर्मी की सभी हदे पार की - तीक्षण सूद

दलजीत अज्नोहा

होशियारपुर/यूटर्न/24 मार्च। पूर्व कैबिनेट मंत्री व वरिष्ठ भाजपा नेता तीक्ष्ण सूद द्वारा जारी नोट प्रेस में कहा गया है कि बेशक भगवंत मान तथा केजरीवाल टोला जिला प्रबंधक गोदाम निगम गगनदीप सिंह रंधावा के मामले में पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के जितने मर्जी दावे करते रहे परन्तु उनके व्यवहार से यह पता चल रहा है कि वह अपने मंत्री लालजीत भुल्लर को बचाने तथा सरकार की साख को कलंकित होने से बचा रहे है। उन्होंने कहा कि पंजाब में चल रही इस ड्रामेबाज सरकार ने अपने कई मंत्रियों तथा विधायकों पर कारवाई करने का ढोंग रचा था। परन्तु मामला ठंडा होते ही उसे ठंडे वस्ते में डाल दिया जाता रहा। रंधावा कांड में इसके मंत्री लालजीत भुल्लर तथा उसके परिवार जनो की कोई भूमिका स्पष्ट नजर आ रही है। इसके बावजूद उस पर FIR दर्ज करने में मान

सरकार द्वारा की गई आना कानी प्रमाणित करती है कि सरकार उसे बचाने के मूड़ में खड़ी है। उसके बाद ही बिपक्षी दलों के तीखे संघर्ष के बाद भी दवाव में आकर आरोपियों की गिरफ्तारी संभव हुई है। जबकि लालजीत भुल्लर पुलिस कस्टड़ी में प्रेस को मुखातिव भी होता है जो कि हैरानी वाली बात है तथा गिरफ्तारी से मुनकर होकर कहता है कि उसने स्व -इच्छा से आत्म समर्पण किया है। बिपक्षी पार्टियों तथा उनके सांसदों के द्वारा मामला लोक सभा में उठाने पर केंद्रीय गृह -मंत्री अमित शाह द्वारा सीबीआई केस देने की बात करने के बावजूद भगवंत मान बड़ी बेशर्मी से सीबीआई को केस देने से इन्कार करते नजर आ रहे है। उन्होंने कहा किअगर सरकार लालजीत भुल्लर को बचाना नहीं चाहती तो मामले को सीबीआई को देने से हिचकच्चा क्यों रही है। उन्होंने कहा कि कि सरकार का रोल स्वयं मुलजिम ,स्वयं आरोपकर्ता तथा स्वयं ही मुनसिफ का बना हुआ है जो कि कुदरती न्याय के विपरीत है। अगर मान सरकार मामले में निष्पक्षता से जांच करवाना चाहती है तो मामले को सीबीआई या हाई कोर्ट के जज को देकर जांच करवाए। क्योंकि पहले ही टेंडर जबरदस्ती अलाट करने के मामले में सरकार से जबरदस्ती लूट करने की ऋक्षफमें धारा नही जोड़ी गई। अब अगर आगे भी पंजाब सरकार की एजेंसी जांच करती है तो केस को रफा -दफा कर दिया जाएगा ,इसमें कोई संदेह नही।

दिल्ली हाईकोर्ट ने जमीन के बदले नौकरी घोटाले में लालू यादव के खिलाफ केस रद्द करने से किया इनकार

नई दिल्ली, यूटर्न, 24 मार्च । दिल्ली हाई कोर्ट ने मंगलवार को राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के प्रमुख लालू प्रसाद यादव की ओर से दायर उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें कथित भूमि के बदले नौकरी घोटाले के संबंध में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से दर्ज भ्रष्टाचार मामले को रद्द करने की मांग की गई थी। जस्टिस रविंदर दुडेजा की एकल-न्यायाधीश पीठ ने एफआईआर, आरोपपत्र और निचली अदालत के संज्ञान आदेशों में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। लालू प्रसाद यादव ने दिल्ली हाई कोर्ट में यह तर्क देते हुए याचिका दायर की थी कि सीबीआई ने उनके खिलाफ जांच शुरू करने से पहले भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए के तहत अभियोजन के लिए अनिवार्य मंजूरी प्राप्त नहीं की थी। उन्होंने तर्क दिया कि ऐसी पूर्व स्वीकृति के अभाव में, एफआईआर का पंजीकरण और जांच तथा आरोपपत्र दाखिल करने सहित सभी परिणामी कार्यवाही अवैध और प्रारंभ से ही अमान्य हैं।

जेजों से माहिलपुर रोड और नंगल से गढ़शंकर रोड पर माइनिंग मटीरियल ले जाने वाले टिप्पर/ट्रकों को शाम 7 बजे से सुबह 7 बजे तक ही आवाजाही की अनुमति

दलजीत अज्नोहा

होशियारपुर/यूटर्न/24 मार्च। जिला मजिस्ट्रेट आशिका जैन ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत प्राप्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए आदेश जारी किए हैं कि जिला होशियारपुर में पड़ने वाले गांव जेजों से माहिलपुर रोड और नंगल से गढ़शंकर रोड पर माइनिंग मटीरियल ले जाने वाले टिप्पर/ट्रकों को केवल शाम 7 बजे से सुबह 7 बजे तक ही आवाजाही की अनुमति होगी और इस समय के अलावा इन सड़कों पर माइनिंग मटेरियल ले जाने वाले टिप्पर/ट्रकों की आवाजाही पर रोक रहेगी। जिला मजिस्ट्रेट ने बताया कि उनके ध्यान में आया है कि जिला होशियारपुर में पड़ने वाली माहिलपुर रोड और नंगल से गढ़शंकर रोड पर माइनिंग मटीरियल ले जाने वाले टिप्पर/ट्रकों के कारण सड़कों पर काफी दुर्घटनाएं हो रही हैं, जिनके कारण आम जनता का जान-माल का नुकसान हो रहा है। लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए इन सड़कों पर माइनिंग मटीरियल ले जाने वाले टिप्पर/ट्रकों की आवाजाही को समयबद्ध तरीके से चलाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि उप पुलिस कप्तान, गढ़शंकर यह सुनिश्चित करेंगे कि ट्रैफिक पुलिस द्वारा टिप्पर/ट्रकों की ओवरस्पीड की जांच की जाए। रीजनल ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी, होशियारपुर इन आदेशों के अनुपालन में ओवरलोडिंग और अन्य नियमों की उल्लंघन संबंधी जांच और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। इसके अलावा कार्यकारी इंजीनियर, ड्रेनेज-कम-जिला माइनिंग अधिकारी, होशियारपुर अंतर-राज्यीय चेक पोस्टों पर 247 मॉनिटरिंग सुनिश्चित करेंगे और साथ ही चेक पोस्ट पर भार तौलने वाले कांटे का उपयोग करके ओवरलोडेड टिप्परों की जांच करेंगे तथा इन पर उचित कार्रवाई अमल में लाएंगे। यह आदेश 20 मई 2026 तक लागू रहेंगे।

लायन तेजिन्द्र बावा के नेतृत्व में 50 जरूरतमंद महिलाओं को राशन के साथ बांटी मासिक पैन्शन

शिव कौड़ा

फगवाड़ा, यूटर्न, 24 मार्च। लायंस क्लब फगवाड़ा स्मार्ट सिटी द्वारा मार्च महीने का मासिक राशन और पेंशन वितरण समारोह क्लब के चार्टर प्रधान लायन तेजिंदर बावा एम.जे.एफ. के नेतृत्व में चिराग एसोसिएट्स, सुभाष नगर फगवाड़ा में आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे अप्रवासी भारतीय गुरचरन सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी बबली हालैंड ने की। जबकि गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में लायंस इंटरनेशनल 321-डी के इंटरनेशनल मल्टीपल वाइस चेयरमैन लायन रशपाल सिंह बच्चाजीवी पीडीजी ने उपस्थिति दर्ज करवाई। इसके अलावा समाज सेवक अशोक मनीला, समाज सेवक गुरमीत सिंह रावलपिंडी और बलजीत कौर बावा भी मौजूद रहे। मुख्य अतिथि गुरचरन सिंह ने 50 जरूरतमंद महिलाओं को पेंशन और राशन वितरण की शुरूआत करवाई तथा क्लब द्वारा किए जा रहे समाजसेवी प्रयासों की भरपूर सराहना की। उन्होंने क्लब को हर संभव सहयोग का भरोसा दिया। मल्टीपल वाइस चेयरमैन लायन रशपाल सिंह बच्चाजीवी ने लायन तेजिंदर बावा और उनकी टीम की सराहना करते हुए कहा कि उनके द्वारा किया जा रहा यह प्रयास बहुत ही प्रशंसनीय है। लायंस क्लबों का लक्ष्य ही जरूरतमंदों की अधिक से अधिक सहायता करना है।

Uturn Time 25 Mar 2026_Layout 2 24-03-2026 22:52 Page 10

चंडीगढ़ में अप्रैल से पानी और कम्युनिटी सेंटर होंगे महंगे: पानी और गारबेज कलेक्शन चार्ज पांच प्रतिशत तक बढ़ेंगे, कम पानी खर्च पर ज्यादा असर नहीं

चंडीगढ़/यूटर्न/ 24 मार्च। चंडीगढ़ के लोगों पर 1 अप्रैल से खर्च का बोझ बढ़ने जा रहा है। प्रशासन द्वारा पानी, सीवरेज और डोर-टू-डोर गारबेज कलेक्शन सहित कई सेवाओं के शुल्क में बढ़ोतरी की जा रही है। वाटर टैरिफ में 5 प्रतिशत की वृद्धि लागू होगी, जिससे हर स्लैब में पानी का बिल थोड़ा बढ़कर आएगा। इसके साथ ही सीवरेज सेस में भी इजाफा किया जाएगा। हालांकि यह बढ़ोतरी हर साल होने वाली सामान्य संशोधन प्रक्रिया का हिस्सा है। नई दरों के अनुसार, 0-15 किलोलीटर पानी पर मौजूदा 3.47 रुपये प्रति केएल की दर बढ़कर 3.64 रुपये हो जाएगी। वहीं 60

किलोलीटर से अधिक खपत पर 24.31 रुपये प्रति केएल तक शुल्क देना होगा। कम पानी इस्तेमाल करने वाले उपभोक्ताओं पर इसका ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। उन्हें केवल 3 से 5 रुपये तक अतिरिक्त खर्च करना होगा। गारबेज कलेक्शन चार्ज भी 5 प्रतिशत बढ़ाया जा रहा है। अब दो मरला तक के घरों के लिए शुल्क 57.88 रुपये से बढ़कर 60.77 रुपये होगा, जबकि 2 से 10 मरला तक के घरों के लिए यह 121.55 रुपये तक पहुंच जाएगा। बड़े घरों के लिए भी इसी अनुपात में बढ़ोतरी की गई है। इसके अलावा, कम्युनिटी सेंटर बुकिंग 5 से 10 प्रतिशत महंगी होगी। नई आबकारी नीति लागू होने के बाद शराब की कीमतों में भी लगभग 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। साथ ही, नगर निगम की संपत्तियों के किराये में भी 5 से 10 प्रतिशत तक इजाफा किया जाएगा।

हरदीप सिंह मुंडियां ने 14 उम्मीदवारों को तरस के आधार पर नियुक्ति पत्र सौंपे

चंडीगढ़/यूटर्न/ 24 मार्च। पंजाब के जल सप्लाई और सैनिटेशन मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां ने आज पंजाब भवन में अनुकंपा के आधार पर 14 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र सौंपे। उन्होंने नए चयनित उम्मीदवारों को बधाई देते हुए कहा कि ये नियुक्तियां ग्रुप ह्यसीह्ल और ह्यडीह्ल श्रेणी में राज्य सरकार की नीति के तहत की गई हैं। इसका उद्देश्य प्रभावित परिवारों को सहायता देना और उनके योग्य आश्रितों को समय पर रोजगार उपलब्ध कराना है। मंत्री ने बताया कि कुल 14 उम्मीदवारों में से 2 को क्लर्क, 9 को सेवदार, 1 को सहायक सेवदार, 1 को जूनियर टेक्नीशियन और 1 को सहायक (तकनीकी) के रूप में नियुक्त किया गया है। हरदीप सिंह मुंडियां ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में सरकार समाज के हर वर्ग की भलाई और समग्र विकास के लिए निरंतर काम कर रही है। उन्होंने नए नियुक्त उम्मीदवारों से अपील की कि वे ईमानदारी, समर्पण और मेहनत के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करें और राज्य के विकास में अहम योगदान दें। इस अवसर पर विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

नगर परिषद अधिकारियों की आंखों के सामने बलटाना बन रहा है अवैध निर्माण का गढ़

शिकायतों के बावजूद जारी निर्माण, पार्किंग तक की जगह नहीं-अधिकारियों के दावे हवा हवाई

जीरकपुर/यूटर्न/24 मार्च। जीरकपुर का बलटाना इलाका इन दिनों अवैध निर्माण का ऐसा अड्डा बन चुका है, जहां नियम-कानून केवल कागजों तक सीमित नजर आते हैं। गलियों से लेकर मुख्य सड़कों तक, हर तरफ बिना अनुमति के इमारतें खड़ी हो रही हैं और प्रशासन मूकदर्शक बना बैठा है। सबसे चिंताजनक स्थिति उन दुकानों और कॉमर्शियल बिल्डिंग्स की है, जिन्हें इस तरह बनाया जा रहा है कि वहां पार्किंग के लिए एक साइकिल तक खड़ी करने की जगह नहीं छोड़ी गई। नतीजा सड़कों पर अतिक्रमण, जाम और आम लोगों के लिए भारी परेशानी। सवाल उठता है कि आखिर ऐसे नक्शे पास कौन कर रहा है, या फिर बिना मंजूरी के ही सब कुछ 'मैनेज' हो रहा है?

चार-चार मंजिला इमारतें, बिना मंजूरी के तैयार

बलटाना के कई हिस्सों में बिना नक्शा पास कराए चार-चार मंजिला इमारतें खड़ी कर दी गई हैं। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि नगर परिषद की टीम मौके पर पहुंचती जरूर है, लेकिन कार्रवाई के नाम पर केवल औपचारिकता निभाकर लौट जाती है। नोटिस बना ह्यऔपचारिक हथियारह्ल, निर्माण जारी अवैध निर्माण रोकने के लिए नोटिस भेजे जाते हैं, लेकिन इन नोटिसों का असर कहीं नजर नहीं आता। निर्माणकर्ता बेखौफ होकर काम जारी रखते हैं और इमारत पूरी भी कर लेते हैं। इसके बावजूद न तो सीलिंग होती है और न ही किसी प्रकार की सख्त कार्रवाई।

एसी कमरों में अधिकारी, मैदान में बेलगाम निर्माण

स्थानीय लोगों का कहना है कि अधिकारी एसी कमरों में बैठकर सिर्फ बयानबाजी कर रहे हैं, जबकि जमीन पर हालात पूरी तरह बेकाबू हैं। अवैध निर्माण करने वालों के हौसले इतने बुलंद हैं कि उन्हें किसी कार्रवाई का डर ही नहीं रह गया है।

अधिकारियों के दावे बनाम जमीनी हकीकत...जब इस पूरे मामले पर कार्यकारी अधिकारी परविंदर सिंह भट्टी से सवाल किया जाता है, तो उनका रटा-रटाया जवाब होता है-ह्लअवैध निर्माण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। लेकिन बलटाना की सड़कों और गलियों में खड़ी होती अवैध इमारतें इस दावे की पोल खोलती नजर आती हैं।

उच्च अधिकारियों के निर्देशों के अनुसार समय-समय पर अवैध निर्माणकताओं को नोटिस निकले जाते हैं और कोर्ट केस भी लगाए जाते हैं। **पुनीत सिंगला, डीएम नगर परिषद जीरकपुर**

शिकायतें हुईं, फिर भी खड़ी हो गईं इमारतें...कई मामलों में तो निर्माण शुरू होते ही स्थानीय लोगों ने शिकायतें दर्ज करवाईं, लेकिन प्रशासन की ढीली कार्यप्रणाली के चलते अवैध निर्माण न केवल जारी रहा बल्कि पूरा भी हो गया। इससे यह साफ जाहिर होता है कि शिकायतों का भी कोई असर नहीं है। नालों के किनारे तक निर्माण, नियमों की उड़ाई धज्जियां नियमों के मुताबिक नालों के पास निर्माण पूरी तरह प्रतिबंधित है, लेकिन बलटाना में नालों के बिल्कुल किनारे इमारतें खड़ी की जा रही हैं। यह न केवल अवैध है, बल्कि भविष्य में जलभराव और हादसों का बड़ा कारण भी बन सकता है। इसके बावजूद प्रशासन की ओर से कोई सख्त कदम नहीं उठाया जा रहा।

डॉ. बलजीत कौर द्वारा मलोट में ₹16.25 करोड़ का वाटर सप्लाई प्रोजेक्ट शुरू

चंडीगढ़/यूटर्न/ 24 मार्च।मलोट विधानसभा क्षेत्र की विधायक एवं कैबिनेट मंत्री डॉ. बलजीत कौर के प्रयासों से शहर में स्वच्छ पेयजल आपूर्ति को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि अमरूत 2.0 योजना के तहत 16.25 करोड़ रुपये की लागत से मलोट शहर के लिए वाटर सप्लाई प्रोजेक्ट की शुरूआत कर दी गई है, जिससे लगभग एक लाख की आबादी को सीधा लाभ मिलेगा। डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि इस परियोजना के तहत सरहिंद फीडर पर नई पंपिंग मशीनरी स्थापित की जाएगी। इसके अलावा लीकेज के कारण खराब हो चुकी करीब 8300 मीटर पुरानी पाइपलाइन को बदलकर नई पाइपलाइन बिछाई जाएगी। शहर के हर क्षेत्र तक सुचारू जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए लगभग 20 किलोमीटर लंबी नई पाइपलाइन भी डाली जाएगी। उन्होंने आगे बताया कि इस योजना के अंतर्गत करीब 3000 घरों को नए जल कनेक्शन दिए जाएंगे, जिससे लोगों को स्वच्छ और पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध हो सकेगा। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि इस प्रोजेक्ट को एक वर्ष के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे शहरवासियों को पानी की समस्या से राहत मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रही है।

गेहूं की नाड़ को आग लगाने से रोकने हेतु जागरूक करेगी कृषि विभाग की प्रचार वैन

डिप्टी कमिश्नर ने हरी झंडी दिखा किया रवाना

दलजीत अज्नोहा

होशियारपुर/यूटर्न24/मार्च। डिप्टी कमिश्नर आशिका जैन ने आज जिला प्रशासनिक परिसर से गेहूं की कटाई के बाद उसकी नाड़ को आग न लगाने संबंधी किसानों को जागरूक करने के लिए प्रचार वैनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि ये प्रचार वैन आज से लेकर अगले 40 दिनों तक जिले के विभिन्न गांवों में जाकर किसानों को गेहूं की नाड़ न जलाने के प्रति जागरूक करेंगी। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि गेहूं की कटाई के बाद उसकी तुड़ी बनाने के उपरांत बचने वाले अवशेषों को खेत में ही रोटावेटर, उल्टे हल आदि कृषि उपकरणों की सहायता से मिट्टी में मिलाया जाए। इससे भूमि की उर्वरता बढ़ेगी और पर्यावरण प्रदूषण से भी बचाव होगा। डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि गेहूं के अवशेषों को आग लगाने वाले किसानों के विरुद्ध वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की हिदायतों के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर मुख्य कृषि अधिकारी होशियारपुर दपिंदर सिंह संधू, जिला प्रशिक्षण अधिकारी दीपक पुरी, कृषि अधिकारी किरणजीत सिंह, कृषि विकास अधिकारी हरप्रीत सिंह, सहायक कृषि इंजीनियर वरुण चौधरी, मनदीप सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जालंधर पार्क में नशा करते युवक को पुलिस ने दबोचाः तलाशी के दौरान भारी मात्रा में नशीली गोलियां बरामद

जालंधर/यूटर्न/ 24 मार्च। जालंधर वेस्ट के 120 फुटी रोड स्थित एक सार्वजनिक पार्क में पुलिस ने छापेमारी कर एक युवक को संदिग्ध परिस्थितियों में हिरासत में लिया है। डिवीजन नंबर 5 की पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि पार्क के सुनसान इलाके का फायदा उठाकर वहां नशे का कारोबार और सेवन किया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और कार्रवाई को अंजाम दिया। तलाशी के दौरान युवक के पास से करीब 20 से 25 नशीली गोलियां बरामद की गईं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आरोपी पार्क की आड़ में नशीले पदार्थों की सप्लाई या सेवन

करने के इरादे से वहां मौजूद था। युवक को तुरंत हिरासत में लेकर थाने ले जाया गया, जहां उससे पूछताछ जारी है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि रात के समय यह इलाका काफी सुनसान हो जाता है, जिससे असामाजिक तत्वों को यहां गतिविधियां चलाने का मौका मिल जाता है। पार्क की हालत भी खराब बताई जा रही है, जिसके कारण आम लोगों का वहां आना-जाना कम हो गया है। पुलिस प्रशासन ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि आरोपी नशीली गोलियां कहां से लाया और क्या इसके पीछे कोई बड़ा गिरोह सक्रिय है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि नशे के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, मामला दर्ज कर आगे की जांच जारी है।

हरसिमरत की मौजूदगी में बल्ला राम नगर के अनेक कांग्रेसी शिअद में शामिल

इकबाल सिंह बबली ढिल्लों की प्रेरणा से हुए अकाली दल में शामिल

सोनू टुटेजा

बठिंडा/यूटर्न/24 मार्च। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं शिरोमणि अकाली दल की वरिष्ठ नेता, बठिंडा संसदीय क्षेत्र से सांसद हरसिमरत कौर बादल की मौजूदगी में बल्ला राम नगर के कई कांग्रेसी परिवार शिअद में शामिल हो गए। इस अवसर पर हरसिमरत कौर बादल ने सभी नए सदस्यों का पार्टी में स्वागत करते हुए उन्हें पूरा मान-सम्मान देने का भरोसा दिलाया।

शिअद में शामिल होने वालों में हरदीप सिंह, परभजिंदर सिंह डिंपी, अमरिंदर सिंह बंटी, वरिंदर सिंह, गुरप्रीत सिंह, मनदीप सिंह, गुरशरण सिंह, हिमांशु यादव, सौरव, गुरसेवक सिंह, ब्रह्मा ठाकुर, बिन्नी शर्मा, गुरविंदर सिंह और जगतार सिंह सहित कई अन्य शामिल रहे। इन सभी ने बताया कि वे शिरोमणि अकाली दल बठिंडा शहरी के हलका इंचार्ज इकबाल सिंह बबली ढिल्लों की प्रेरणा से कांग्रेस छोड़कर अकाली दल में शामिल हुए हैं। नव-शामिल कार्यकर्ताओं ने कहा कि अकाली दल की पूर्व सरकार के दौरान हुए विकास कार्य और जनहित योजनाएं आज भी लोगों को याद हैं। उनका आरोप था कि न तो पिछली कांग्रेस सरकार और न ही मौजूदा आम आदमी पार्टी सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरी उतर सकी है। उन्होंने कहा कि थर्मल प्लांट, उद्योगों और रोजगार के बड़े-बड़े वादे किए गए, लेकिन धरातल पर कोई ठोस काम नजर नहीं आया। इस मौके पर इकबाल सिंह बबली ढिल्लों ने सभी का आभार जताते हुए कहा कि युवाओं के इस समर्थन से पार्टी और मजबूत होगी तथा आने वाले समय में प्रदेश में शिअद की सरकार बनाने का मार्ग प्रशस्त होगा। कार्यक्रम में पूर्व मेयर बलजीत सिंह बीड़ बहमन, राजबिंदर सिंह सिद्धू, मोहनजीत सिंह पुरी, कुलदीप सिंह नंबरदार, गुरदीप सिंह, इकबाल सिंह मिठड़ी, डॉ. गुरसेवक सिंह, सुखदेव सिंह सीरा, जगदीप सिंह गहरी, हरजीत सिंह हरजी, भूपेंद्र सिंह और राजदीप सिंह सोई सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

गांव मधेपुर में कथित अवैध माइनिंग का मामला गरमाया

पर्यावरण प्रेमी ने मुख्यमंत्री को दी शिकायत, पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न24/मार्च। पंजाब सरकार द्वारा अवैध माइनिंग (खनन) को रोकने के बड़े-बड़े दावों के बीच, जगरांव इलाके में रात के अंधेरे में कथित तौर पर रेत के अवैध खनन का एक गंभीर मामला सामने आया है। कपूरथला निवासी और खुद को पर्यावरण प्रेमी बताने वाले गुरजीत सिंह (पुत्र जीत सिंह) ने पंजाब के माननीय मुख्यमंत्री को एक लिखित शिकायत भेजी है। इसमें गांव मधेपुर की पंचायती जमीन पर बड़े स्तर पर चल रही कथित अवैध माइनिंग का पदार्फाश किया गया है और स्थानीय पुलिस अधिकारियों की भूमिका पर भी सीधे तौर पर सवाल खड़े किए गए हैं।

रात के समय चलती हैं जे.सी.बी. मशीनें और टिप्पर...मुख्यमंत्री को भेजे गए शिकायत पत्र के अनुसार, गुरजीत सिंह ने आरोप लगाया है कि गांव मधेपुर में रात के समय 4 जे.सी.बी. मशीनों से रेत की खुदाई की जा रही है। उनका दावा है कि हर रात करीब 60 से 70 ट्रालियां और 20 से 25 टिप्पर रेत से भरकर निकाले जा रहे हैं। शिकायतकर्ता के अनुसार, हैरानी की बात यह है कि रेत से भरे ये भारी वाहन सिद्धवां बेट थाने के गेट के ठीक आगे से होकर जगराओं की तरफ जाते हैं। उन्होंने दावा किया है कि सिद्धवां बेट चौक से लेकर थाने तक लगे सी.सी.टी.वी. कैमरों की फुटेज की बारीकी से जांच करने पर इस पूरे खेल की सच्चाई सामने आ सकती है।

कंट्रोल रूम और उच्च अधिकारियों को सूचित करने के बावजूद कार्रवाई न होने का आरोप...शिकायतकर्ता गुरजीत सिंह ने बताया कि उन्होंने अपनी नैतिक जिम्मेदारी समझते हुए इस कथित गैर-कानूनी गतिविधि की सूचना तुरंत 112 हेल्पलाइन और जगराओं कंट्रोल रूम पर दी, जिसका आधिकारिक शिकायत नंबर (2599323 / ढइ 20260323000059) भी उनके पास मौजूद है। आरोप है कि शिकायत दर्ज करवाने के बावजूद किसी भी जांच अधिकारी ने मौके पर पहुंचकर मुआयना नहीं किया।

पत्र में स्पष्ट रूप से लिखा गया है कि जब एस.एच.ओ. सिद्धवां बेट को फोन किया गया तो उन्होंने फोन नहीं उठाया। इसके बाद डी.एस.पी. जगरांव को पूरे मामले से अवगत करवाया गया। शिकायतकर्ता का गंभीर आरोप है कि डी.एस.पी. साहब से करीब 10 मिनट बातचीत होने के बावजूद न तो माइनिंग का काम बंद करवाया गया और न ही कोई कानूनी कार्रवाई की गई, बल्कि उल्टा शिकायतकर्ता से ही सवाल-जवाब किए जाने लगे।

मिलीभगत का अंदेशा और उच्च स्तरीय जांच की मांग पर्यावरण प्रेमी गुरजीत सिंह ने अपनी शिकायत दिनांक 23/मार्च को एस.एच.ओ. सिद्धवां बेट, डी.एस.पी. जगरांव और जगबीर सिंह जग्गा नामक व्यक्ति के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाते हुए अंदेशा जताया है कि यह सारा कारोबार कथित तौर पर स्थानीय पुलिस की मिलीभगत से चल रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री पंजाब से मांग की है कि इस पूरे मामले की किसी उच्च अधिकारी से निष्पक्ष जांच करवाई जाए। इसके साथ ही मौके पर मौजूद मशीनों और वाहनों को तुरंत जब्त करके सरकारी खजाने की हो रही लूट को रोका जाए। गौरतलब है कि इस शिकायत की प्रतियां (उङ्गस्त्री२) माइनिंग मंत्री पंजाब, एस.एस.पी. जगरांव और कार्यकारी इंजीनियर (जिला माइनिंग अफसर) लुधियाना को भी आवश्यक कार्रवाई हेतु भेजी गई हैं।

जालंधर में सोया पनीर में बाल मिलने पर हंगामाः ग्राहक ने दुकानदार पर लगाए बदतमीजी के आरोप

जालंधर/यूटर्न/ 24 मार्च। जालंधर के जोहल मार्केट में स्थित एक मशहूर सोया ट्रीट शॉप में उस समय विवाद खड़ा हो गया, जब एक ग्राहक ने सोया पनीर में बाल मिलने का आरोप लगाया। जानकारी के अनुसार, वनी नामक स्थानीय ग्राहक दुकान से सोया पनीर खरीदकर घर ले गया था। घर पहुंचकर जैसे ही उसने पैकेट खोला, तो पनीर के टुकड़ों के बीच एक बाल फंसा हुआ दिखाई दिया। इस पर ग्राहक ने तुरंत दुकान पर जाकर शिकायत करने का फैसला किया। ग्राहक का कहना है कि उसे उम्मीद थी कि दुकानदार अपनी गलती स्वीकार कर माफी मांगेगा, लेकिन इसके विपरीत दुकान के कर्मचारियों ने उससे बहस शुरू कर दी। आरोप है कि कर्मचारियों ने न केवल शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया, बल्कि ग्राहक के साथ अभद्र व्यवहार भी किया। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और मौके पर हंगामा शुरू हो गया। इस घटना की खबर फैलते ही आसपास के लोग भी इकट्ठा हो गए, जिससे बाजार में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। काफी देर तक स्थिति तनावपूर्ण बनी रही। घटना से आहत ग्राहक ने प्रशासन से मामले की जांच और कार्रवाई की मांग की है। उसने खाद्य सुरक्षा मानकों की जांच करने और दुकान के स्टॉक व साफ-सफाई की स्थिति का निरीक्षण कराने की अपील की है। स्थानीय लोगों ने भी इस तरह की लापरवाही पर सख्त कदम उठाने की मांग की है।

Pranitha Subhash

Uturn Time 25 Mar 2026_Layout 2 24-03-2026 22:52 Page 12

HDFC बैंक विवाद गहराया: दुबई शिकायत के बाद 3 वरिष्ठ अधिकारी बर्खास्त, चेयरमैन का इस्तीफा

मुंबई/दुबई। देश के अग्रणी निजी बैंक HDFC Ban 'एक बड़े 'बॉन्ड मिस-सेलिंग' विवाद में घिर गया है। बैंक पर आरोप है कि उसने दुबई स्थित अपनी शाखाओं के माध्यम से एनआरआई ग्राहकों को Credit Suisse के हाई-रिस्क AT-1 बॉन्ड्स को सुरक्षित निवेश बताकर बेचा, जिससे निवेशकों को भारी नुकसान हुआ। इस मामले में दुबई के नियामक तक शिकायत पहुंची और बैंक की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हुए।

आंतरिक जांच के बाद बैंक ने सख्त कार्रवाई करते हुए तीन वरिष्ठ अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया। इनमें सम्पत कुमार (ग्रुप हेड, ब्रांच बैंकिंग), हर्ष गुप्ता (एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट, मिडिल ईस्ट, अफ्रीका और NRI बिजनेस) और पायल मंध्यान (सीनियर वाइस प्रेसिडेंट) शामिल हैं। बताया जा रहा है कि इन अधिकारियों की जिम्मेदारी वाले क्षेत्रों में ही कथित मिस-सेलिंग हुई, जहां ग्राहकों को इन बॉन्ड्स के जोखिम के बारे में पूरी जानकारी नहीं दी गई।

यह विवाद ऐसे समय सामने आया है जब बैंक के चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती ने एथिक्स और वैल्यू को लेकर मतभेद का हवाला देते हुए अचानक इस्तीफा दे दिया। उनके इस्तीफे के बाद बैंक के शेयरों में भी गिरावट दर्ज की गई, जिससे निवेशकों की चिंता और बढ़ गई। मामले ने कॉर्पोरेट गवर्नेंस, पारदर्शिता और ग्राहक सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह घटना बैंकिंग सेक्टर के लिए चेतावनी है कि जटिल वित्तीय उत्पादों की बिक्री में पूरी पारदर्शिता और जिम्मेदारी सुनिश्चित की जाए। हालांकि, नियामकों ने फिलहाल बैंक की वित्तीय स्थिति को स्थिर बताया है, लेकिन लगातार सामने आ रही घटनाओं ने निवेशकों के भरोसे को झटका दिया है।

गांव अटावा में आधारभूत ढांचे को मजबूती, पेवर ब्लॉक कार्य का शुभारंभ

चंडीगढ़/यूटर्न/24 मार्च। सोमवार को अटावा की फिरनी रोड पर पेवर ब्लॉक एवं पीसीसी टाइल्स के निर्माण कार्य का विधिवत उद्घाटन किया गया। यह विकास कार्य गांव की सुंदरता एवं आधारभूत संरचना को और अधिक सुदृढ़ एवं आकर्षक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पेवर ब्लॉक लगाए जाने से स्थानीय निवासियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा वाहनों की पार्किंग के लिए भी बेहतर व्यवस्था उपलब्ध होगी, जिससे गांव के समग्र स्वरूप में सकारात्मक सुधार आएगा। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सीनियर डिप्टी मेयर एवं क्षेत्र पार्षद श्री जसबीर सिंह बंटी तथा श्री तरलोचन सिंह बंटी उपस्थित रहे। उन्होंने नारियल तोड़कर कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अटावा के अनेक गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे। इस मौके पर एसडीओ श्री साहिल ने जानकारी दी कि यह कार्य लगभग 16 लाख रुपये की लागत से किया जा रहा है तथा इसे एक महीने के भीतर पूर्ण कर लिया जाएगा। वहीं पार्षद श्री जसबीर सिंह बंटी ने आश्वासन दिया कि गांव के विकास एवं बेहतरी में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। कार्यक्रम के दौरान जेई सुरेश चंद, सुपरवाइजर भुवनेश भट्टी, राज कुमार शर्मा, पवन सिंगला, दविंदर कुमार, अशोक कुमार सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सुनेत में शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को श्रद्धांजलि; चेयरमैन और शहरी प्रधान खंगूड़ा हुए शामिल

लुधियाना, यूटर्न, 24 मार्च। शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की याद में आज सोशल वेलफेयर क्लब सुनेत ने एक बड़ा श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया। चेयरमैन और शहरी प्रधान जतिंदर सिंह खंगूड़ा ने इस कार्यक्रम में शामिल होकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

इस मौके पर चेयरमैन खंगूड़ा ने अपने भाषण में कहा कि शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव का बलिदान हमेशा देश के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा। उन्होंने कहा कि देश की आजादी और अखंडता को बनाए रखने के लिए शहीदों का बलिदान बेमिसाल है। आज हम जो आजादी और खुशहाली का आनंद ले रहे हैं, वह उनके बलिदानों का नतीजा है। उन्होंने युवाओं से शहीदों के जीवन से प्रेरणा लेने और ईमानदारी और लगन के साथ देश के लिए योगदान देने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि ऐसे आयोजन समाज में देशभक्ति की भावना को मजबूत करने में मदद करते हैं। प्रोग्राम के दौरान, क्लब के सदस्यों ने चेयरमैन और शहरी प्रधान (अर्बन) जतिंदर सिंह खंगूड़ा को सम्मानित किया और अपने बिजी शेड्यूल से समय निकालकर प्रोग्राम में आने के लिए उनका धन्यवाद किया।

इस मौके पर उनके साथ पूर्व सरपंच वरिंदर सिंह गिल, काउंसलर बेदी और अन्य साथी भी मौजूद थे। इस पप्रोग्राम में बड़ी संख्या में जाने-माने लोग, क्लब के सदस्य, युवा और स्थानीय लोगों ने हिस्सा लिया और शहीदों को श्रद्धांजलि दी। आखिर में, सभी ने देश की तरक्की और एकता के लिए काम करने का वादा किया।

धर्म बदलते ही खत्म होगा एससी दर्जा, सुप्रीम कोर्ट ने दोहराया सख्त नियम

नई दिल्ली/यूटर्न/ 24 मार्च। भारत के सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक अहम फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया कि जो व्यक्ति हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म छोड़कर किसी अन्य धर्म को अपनाता है, वह अनुसूचित जाति (एससी) का दर्जा खो देता है। अदालत ने यह

फैसला आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के पुराने आदेश को बरकरार रखते हुए दिया। मामला आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले के चिंतादा आनंद से जुड़ा था, जो ईसाई धर्म अपनाकर पादरी बन चुके थे और उन्होंने एससी-एसटी अत्याचार निवारण कानून के तहत शिकायत दर्ज कराई थी। दो जजों की पीठ ने कहा कि धर्म परिवर्तन के स्पष्ट प्रमाण होने के कारण एससी का दर्जा स्वतः समाप्त हो जाता है। अदालत ने 1950 के संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश की धारा 3 का हवाला देते हुए कहा कि यह दर्जा केवल हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म तक सीमित है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि अनुसूचित जाति का दर्जा ऐतिहासिक सामाजिक उत्पीड़न से जुड़ा है, न कि व्यक्तिगत आस्था से। इस व्यवस्था का उद्देश्य उन समुदायों को संरक्षण देना था, जिन्होंने सदियों तक भेदभाव झेला। इसलिए धर्म परिवर्तन के बाद आरक्षण, सरकारी नौकरियों, शिक्षा और कानूनी सुरक्षा जैसे लाभ नहीं मिल सकते। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि यदि इस व्यवस्था में कोई बदलाव करना है, तो वह संसद के माध्यम से ही संभव है। यह फैसला सामाजिक न्याय, धर्म परिवर्तन और आरक्षण व्यवस्था को लेकर देश में चल रही बहस को एक बार फिर तेज कर गया है।

रिश्तों का कत्ल: जमीन के लालच में उजाडा 'सुहाग'

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/24/मार्च। कहते हैं कि लालच इंसान को अंधा कर देता है, लेकिन जगराओं के गांव जंडी में जो हुआ उसने इंसानियत को भी शर्मसार कर दिया है। जिस घर को प्यार और भरोसे से सींचा जाना था, वहीं जमीन के चंद टुकड़ों के लिए खूनी खेल खेला गया। हरजिंदर सिंह हत्याकांड में पुलिस ने एक ऐसा खुलासा किया है जिसे सुनकर हर कोई दंग है। अपने पति की लंबी उम्र की दुआ करने वाली पत्नी ही उसकी मौत की 'मास्टरमाइंड' निकली।

ममता और वफादारी पर भारी पड़ा जमीन का मोह : बीते दिन आधी रात को जब हरजिंदर सिंह गहरी नींद में था, उसे अंदाजा भी नहीं था कि उसके अपने ही उसे मौत की नींद सुलाने की तैयारी कर चुके हैं। पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी बेटे जसकरन सिंह उर्फ जस्सू ने जब राज उगले, तो पुलिस के भी होश उड़ गए। जस्सू ने कबूल किया कि इस खौफनाक वारदात की पटकथा उसकी मां तरनजीत कौर उर्फ तनी ने ही लिखी थी।

साजिश, कत्ल और फिर 'मगरमच्छ' के आंसू : पुलिस जांच के अनुसार, हत्या को अंजाम देने के बाद अगले दिन आरोपियों ने खुद को निर्दोष दिखाने के लिए जमकर 'ड्रामा' किया। घर में चीखने-चिल्लाने और विलाप करने का ढोंग रचा गया ताकि किसी को शक न हो। लेकिन कानून के हाथ अंततः गुनहगारों के गिरेबान तक पहुंच ही गए।

वारदात की पूरी कड़ी : मुख्य साजिशकर्ता : पत्नी तरनजीत कौर और बेटा जसकरन सिंह।
सह-आरोपी : जसकरन के दोस्त गुरप्रीत सिंह (काका) और धरमिंदर सिंह (गिआनी)।
वजह : प्रॉपर्टी और जमीन के बंटवारे को लेकर लंबे समय से चला आ रहा घरेलू विवाद।

खिड़की फांदकर अंदर गए भतीजे के उड़े होश : घटना का खुलासा तब हुआ जब बुधवार दोपहर तक हरजिंदर के घर का दरवाजा नहीं खुला। पड़ोसियों की सूचना पर जब मृतक का भाई जगराज और भतीजा कुलजिंदर पहुंचे, तो अंदर का मंजर रूह कंपा देने वाला था। हरजिंदर सिंह बिस्तर पर खून से लथपथ पड़ा था। जगराज सिंह ने पुलिस को बताया कि हरजिंदर अक्सर अपनी जान को लेकर डर जाहिर करता था, और वही डर सच साबित हुआ।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma
तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार।
Contact - +91 9814295372